सायंकालीन

समाचार जगत

आर.एन.आई. नं. 67417/96

श्रावण शुक्ल पक्ष दशमी संवत् 2083

संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा

वर्ष 30 अंक 126

जयपुर, शनिवार 22 अगस्त, 2026

मूल्य: 2 रुपए

RAJ/P/2026/5326

KEDIA आरण्यम

ADDRESS. LIFESTYLE. STATUS.

अब आपका एड्रेस

आपका *Status* बतायेगा !

नीमकाथाना की पहली गेटेड टाउनशिप

NO MIDDLE MEN

FIXED PRICE

PRE LAUNCH PRICE : ₹16500/ SQ. YD.

Llaunch PRICE : ₹18000/ SQ. YD.

KEDIA®

1800-120-2323

info@kedia.com

www.kedia.com

78770-72737

T&C Apply*

देश के सबसे पवित्र मसाले

आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

ट्रिपल लेयर पैकेजिंग

ज़िप लॉक और स्टैंडी पाउच

क्रायोजेनिक ग्राइंडिंग से बना

1 वर्ष की शेल्फ लाइफ

KEDIA Pavitra

हल्दी पाउडर

मेघालय की GI टैग्ड लाकाडोंग हल्दी से बना

FIXED PRICE

लाल मिर्च पाउडर

50000+ SHU (तीखापन)

धनिया पाउडर

डबल पैरेट साबुत धनिया से बना

दुकान हो या सुपरमार्केट कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ 1800-120-2727

आटा | दलिया | सूजी | बेसन | सत्तू | दाल | चावल | खड़े, पीसे एवं ब्लेंडेड मसाले | हींग | कुकिंग ऑयल | ड्राई फ्रूट्स | फ्लेवर्ड मखाना | गुड़ | मिश्री | सेंधा नमक | पोहा और चाय सहित कम्प्लीट किचन बास्केट

नजदीकी रिटेलर, सुपरमार्केट और Zepto पर उपलब्ध !

Conditions Apply * Visuals for illustration purpose only*

न्यूज गैलरी

धूमधाम से मनाया 11वां फाउंडेशन-डे

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. जगतपुरा स्थित महिमा सिटी विले में 11वां फाउंडेशन डे समारोह उत्साह एवं धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सोसायटी परिसर में विभिन्न खेल एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें टेबल टेनिस, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज एवं पेंटिंग प्रतियोगिताएं प्रमुख रहीं। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को गोल्ड मेडल तथा उपविजेताओं को सिल्वर मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। सोसायटी अध्यक्ष ब्रजेन्द्र शर्मा, सचिव डॉ. राजेंद्र बंसल एवं कोषाध्यक्ष सरोज जांगिड ने सोसायटी की एकजुटता, सहभागिता एवं आगामी विकास कार्यों पर प्रकाश डाला। फाउंडेशन डे समारोह ने सोसायटी के निवासियों में आपसी सौहार्द, भाईचारे एवं सामुदायिक भावना को और मजबूत किया।

'शुभागमन' ओरिएंटेशन कार्यक्रम

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड ग्रामोत्थान (एस.के.आई.टी.), रामनगरिया, जगतपुरा, जयपुर में गुरुवार, दिनांक 20 अगस्त, 2026 को बी.टेक. प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए भव्य "शुभागमन – ओरिएंटेशन कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. पीसी. पंचारिया, पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-सीरी, पिलानी रहे। उन्होंने अपने प्रेरक संबोधन में देश के विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला और युवा इंजीनियरों को अपनी तकनीकी क्षमता का उपयोग राष्ट्र निर्माण एवं सामाजिक समस्याओं के समाधान में करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता सौरभ द्विवेदी, हेड ऑफ हिंदी डिजिटल एंड वीडियो स्ट्रेटेजी, इंडियन एक्सप्रेस, ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए व्यक्तिगत विकास, आत्मविश्वास, संवाद कौशल और बदलते समय के अनुरूप स्वयं में सकारात्मक परिवर्तन लाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन सुरजाराम मील, वाइस चेयरमैन श्री अनिल बाफना, डायरेक्टर श्री जयपाल मील, डायरेक्टर (एकेडमिक्स) डॉ. एस.एल. सुराना, रजिस्ट्रार श्रीमती रचना मील, प्रिंसिपल डॉ. रमेश पचार, डीन डॉ. आर.के. जैन तथा बी.टेक. प्रथम वर्ष इंचार्ज डॉ. संगीता चौधरी सहित संस्थान के अन्य अधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए संस्थान की विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों, क्लबों, तकनीकी मंचों तथा विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास के अवसरों की जानकारी भी प्रदान की गई। "शुभागमन – ओरिएंटेशन कार्यक्रम" नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा, उत्साह और नई ऊर्जा से भरपूर रहा।

राखी की बुकिंग के लिए 23 अगस्त को भी खुलेंगे काउंटर

जयपुर,समाचार जगत न्यूज. जनसाधारण की सुविधा के लिए 23 अगस्त को भी जयपुर नगर मंडल में सभी डाकघरों में राखी की बुकिंग के लिए स्पेशल काउंटर खुले रहेंगे।इस व्यवस्था से विशेष रूप से विद्यार्थियों, नौकरी पेशा व्यक्तियों, व्यवसायियों एवं अन्य नागरिकों को सुविधा मिलेगी, जो सामान्य कार्यदिवसों में समय के अभाव के कारण राखी बुकिंग नहीं करा पा रहे हैं। इसलिए आमजन से अपील की है कि वे 23 अगस्त को भी अपने नजदीकी डाकघर में उपस्थित होकर राखी की बुकिंग करा सकते हैं।

साड़ी वियर कॉम्पीटिशन आज

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. इंडियन ट्रेव्लाइजर इवेंट की ओर से शनिवार शाम 4 बजे सीतापुरा स्थित पोद्दार इंटरनेशनल कॉलेज आडिटोरियम में सावन के आराध्य देव थीम पर होगी साड़ी वियर प्रतियोगिता। इसमें प्रतिभागी साड़ी, पारंपरिक आभूषण और श्रृंगार के साथ अपनी मंचीय प्रस्तुति देंगी। थीम के अनुरूप उनके परिधानों और प्रस्तुतियों में सावन, शिव भक्ति और भारतीय संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। कार्यक्रम आयोजक नीरज माथुर ने बताया कि कार्यक्रम का आकृषण होगा प्रतिभागियों का शिव आराधना करते समूह नृत्य।

महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय की जयंती पर पुष्पांजलि

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय की 115वीं जयंती शुक्रवार को जयपुर में उत्साह के साथ मनाई गई। पहले सुबह राम निवास बाग में जयपुर के पूर्व महाराजा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सिटी पैलेस के अधिकारियों और स्टाफ ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। दिन के दौरान, सिटी पैलेस संग्रहालय द्वारा सिटी पैलेस स्थित सर्वतोभद्र चौक में स्वर्गीय महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय की जीवनी पर संवाद का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में जाने-माने शिक्षाविद, लेखक और इतिहासकार, प्रो. राजेंद्र सिंह खंगारोत; वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार, जितेंद्र सिंह शेखावत; लेखक एवं कवि, कल्याण सिंह शेखावत और इतिहासकार एवं लेखक, डॉ. विक्रम सिंह भाटी ने स्वर्गीय महाराजा के जीवन, व्यक्तित्व और जयपुर के विकास में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। शाम को अशोक क्लब में बड़ी संख्या में क्लब के सदस्यों ने स्वर्गीय महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग की बड़ी कार्रवाई

करीब 1.40 लाख रुपए की दवाएं जब्त

जयपुर में बिना लाइसेंस दवा कारोबार पर की कार्रवाई

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देश पर प्रदेश में अवैध एवं अनधिकृत औषधि कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग ने जयपुर में बड़ी कार्रवाई की है। विभाग की टीम ने चित्रकूट स्थित एक गोदाम में बिना वैध लाइसेंस दवाओं के भंडारण एवं विक्रय की गतिविधियां पाए जाने पर लगभग 1.40 लाख रुपये मूल्य की संदिग्ध औषधियां जब्त की हैं।

प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने बताया कि प्रदेश में दवाओं के अवैध कारोबार एवं बिना वैध लाइसेंस औषधियों के भंडारण और विक्रय के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा और अनधिकृत औषधि कारोबार करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। ड्रग आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला एवं राज्य औषधि नियंत्रक अजय फाटक के निर्देशन में असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर दिनेश कुमार तनेजा के पर्यवेक्षण में ड्रग कंट्रोल ऑफिसर राम प्रसाद कुमावत एवं सपना पारीक द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान गोदाम से विभिन्न फर्मों के नाम से जारी बिक्री बिल, इनवॉइस, रसीद बुक एवं अन्य दस्तावेज बरामद हुए। दस्तावेजों की जांच में विभिन्न फर्मों के नाम एवं औषधि कारोबार से संबंधित अभिलेखों में कई विसंगतियां सामने आईं। निरीक्षण के दौरान परिसर में दवाओं का भंडारण एवं विक्रय पाया गया, जबकि मौके पर वैध औषधि विक्रय लाइसेंस प्रस्तुत नहीं किया जा सका। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि पूर्व में यहां से आरोग्यधाम मेडि हेल्थ एंड वेलनेस सॉल्यूशन प्रा. लि., झोटवाड़ा, जयपुर के लिए गतिविधियां संचालित की जा रही थीं तथा सितंबर 2024 से Aryan Wellness Private Limited, गुरुग्राम के माध्यम से कार्य किया जा रहा था।

एनडीपीएस घटक युक्त दवा भी मिली : कार्रवाई के दौरान GARON-100 Tablet (Phenobarbitone) भी बरामद की गई, जिसमें NDPS घटक शामिल है। इसके संबंध में उपलब्ध बिल एवं दस्तावेजों की जांच में भी अनियमितताएं सामने आईं। प्रारंभिक जांच में बिना वैध लाइसेंस एवं योग्य व्यक्ति के हस्ताक्षर के औषधियों के विक्रय तथा परिसर में औषधियों के अनधिकृत भंडारण की स्थिति सामने आई है।

तीन प्रमुख दवाओं के नमूने जांच के लिए भेजे : औषधियों की गुणवत्ता एवं मानकों की जांच के लिए मौके से Gabanyl-300 (Gabapentin Capsules IP), Telmevas-H (Telmisartan & Hydrochlorothiazide Tablets IP) तथा Trueclam 625 (Amoxycillin and Potassium Clavulanate Tablets IP 625 mg) के नमूने लिए गए। सभी नमूनों को नियमानुसार सील कर औषधि परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है।

नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर के पोस्टर का हुआ विमोचन

चौमूं, समाचार जगत ब्यूरो। चौमूं में 30 अगस्त रविवार को आयोजित होने वाले नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर के पोस्टर का विमोचन थाना मोड धोली मंडी स्थित जॉय एजुकेशन में किया गया। इस अवसर पर संस्था के निदेशक प्रमोद शर्मा ने विद्यार्थियों को शिविर की जानकारी दी तथा उन्हें कार्यक्रम से अवगत करवाया। शहर और स्थानीय मार्गदर्शिका कार्यक्रम संयोजक वैद्य सत्य प्रकाश पारीक 'राजभाषी' ने विद्यार्थियों को शिविर की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में 14 वर्ष तक के बच्चों का नि:शुल्क स्वर्ण प्राशन करवाया जाएगा। उन्होंने स्वर्ण प्राशन के महत्व की जानकारी देते हुए अभिभावकों से अपने बच्चों को शिविर में लाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि शिविर में विभिन्न जटिल एवं पुरानी बीमारियों से पीड़ित रोगियों का आयुर्वेद पद्धति से उपचार किया जाएगा। रोगियों को आवश्यकता के अनुसार निदान, पंचकर्म, प्राकृतिक चिकित्सा एवं योगाभ्यास की सुविधा प्रदान की जाएगी। साथ ही चयनित रोगियों को 15 दिन की औषधियां भी नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जाएंगी। वैद्य सत्य प्रकाश पारीक ने विद्यार्थियों से कहा कि यदि उनके परिवार में अथवा आसपास कोई व्यक्ति किसी बीमारी से ग्रसित है, तो उसे इस नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में अवश्य लेकर आएं, ताकि योग्य आयुर्वेद चिकित्सकों द्वारा उसकी समस्या का परीक्षण कर उचित उपचार एवं मार्गदर्शन दिया जा सके। इस अवसर पर जॉय एजुकेशन के निदेशक प्रमोद शर्मा ने भी विद्यार्थियों को शिविर की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम आयोजकों ने बताया कि शिविर का उद्देश्य आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य लाभ एवं उचित चिकित्सा मार्गदर्शन उपलब्ध करवाना है।

भारत विकास परिषद ने किया गुरु वंदन

टोंक, समाचार जगत ब्यूरो। भारत विकास परिषद, टोंक की ओर से 21 अगस्त को रा. दरबार सी. से. स्कूल, टोंक में गुरु वंदन एवं छात्र अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। परिषद अध्यक्ष डॉ. रमेश काला ने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने के लिए गुरुजनों के श्रेष्ठ मार्गदर्शन का लाभ लेने का आह्वान किया। उन्होंने अखिल भारतीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 'भारत को जानो' एवं राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता की जानकारी भी दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य निपुण सक्सेना ने भारत विकास परिषद द्वारा समाज कल्याण एवं राष्ट्र सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें अनुकरणीय बताया। कार्यक्रम का संचालन लोकतंत्र सेनानी महेश कुमार शर्मा ने किया। उन्होंने गुरु शब्द के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रेरक प्रसंग सुनाया और विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ संस्कारों पर भी ध्यान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर परिषद की ओर से प्रधानाचार्य निपुण सक्सेना तथा श्रेष्ठ शिक्षक अनवर अली, तरुणा जैन एवं नरेंद्र कुमार शर्मा को अंगवस्त्र, शाल, श्रीफल, प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों अनन्या, योगेंद्र, भार्गवी, रेणुका एवं पायल का भी अंगवस्त्र, प्रमाण पत्र, 'भारत को जानो' पुस्तक एवं प्रतीक चिन्ह देकर अभिनंदन किया गया। विद्यालय के सभी गुरुजनों का भी अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया। परिषद के सचिव राधेश्याम शर्मा ने उपस्थित सभी लोगों को सद्कार्य करने तथा नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में परिषद के प्रकल्प प्रमुख गोविंद शरण गुप्ता, सुरेश विजयवर्गीय, नरेंद्र शर्मा, विद्यालय स्टाफ एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदेमातरम् तथा समापन राष्ट्रगान 'जन गण मन' के साथ हुआ।

नि:शुल्क न्यूरोथेरेपी उपचार एवं प्रशिक्षण कैम्प का हुआ भव्य शुभारम्भ

चौमूं, समाचार जगत ब्यूरो। नारायण सेवा न्यूरोथेरेपी केन्द्र द्वारा हाथनीदा, तहसील चौमूं, जयपुर में 3 दिवसीय नि:शुल्क न्यूरोथेरेपी उपचार एवं प्रशिक्षण शिविर का भव्य शुभारम्भ हुआ। अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य, कैप्टन पृथ्वी सिंह नाथावत और पूर्व सरपंच कैलाश चंद्र सैनी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह आयोजन न्यूरोथेरेपी के जनक डॉ. लाजपतराय मेहरा के 94वें जन्मदिन के अवसर पर "न्यूरोथेरेपी-डे" के रूप में आयोजित किया जा रहा है। कैम्प के संचालक कल्याण सिंह गुर्जर ने बताया कि नि:शुल्क न्यूरोथेरेपी प्रशिक्षण 21 अगस्त एवं 22 अगस्त को एवं नि:शुल्क न्यूरोथेरेपी उपचार 23 अगस्त को प्रात: 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा।

स्थानीय शहर की गाइड एक्सप्लोर करना कैम्प में विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं मिलेंगी। न्यूरोथेरेपी की सुपरस्पेशलिस्ट टीम द्वारा मरीजों का डायग्नोज एवं उपचार किया जाएगा। प्रशिक्षण लेने के लिए किसी विशेष शिक्षा या उम्र की आवश्यकता नहीं है। कोई भी सेवाभावी पुरुष, महिला अथवा छात्र इसमें भाग ले सकते हैं। प्रशिक्षण एवं उपचार हेतु पंजीकरण पूर्णत: नि:शुल्क है। कैम्प के संचालक कल्याण सिंह गुर्जर पूर्व सैनिक, सीनियर न्यूरोथेरेपिस्ट हैं। इस दौरान न्यूरोथेरेपी चिकित्सक वैद्य रतन चंद शिमला, हंस राज जांगिड अजमेर, घासीराम गुर्जर, गोमाराम गुर्जर, नारायण फौजी, लल्लू राम, अजय जांगिड़, गजानंद सैनी, जितेंद्र सैनी, कमलेश कुमार जाट, रतनलाल खटाना सहित कई लोग मौजूद रहे।

राजलक्ष्मी महिला अर्बन कोऑपरेटिव बैंक

धोखाधड़ी करने वाले दम्पती की जमानत अपील भी खारिज

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. दी राजलक्ष्मी महिला अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक में करोड़ों रुपए के गबन से जुड़े मामले में जेल में बंद आरोपी दम्पती गार्ड कॉलोनी, फुलेरा हाल कल्याणपुरी, सोडाला-जयपुर निवासी प्रमोद शर्मा और उसकी पत्नी सिंधू शर्मा के जमानत प्रार्थना पत्र एडीजे, क्रम संख्या-01, मेट्रो प्रथम मनोज मीना ने भी प्रथमदृष्टया आईपीसी की धारा-420, 467, 468, 471 और 120बी के अपराधों में संलिप्तता मानते हुए खारिज करने के आदेश दिए है।

इससे पूर्व दोनों आरोपियों की ट्रायल कोर्ट से जमानत खारिज हुई थी। आदेश को डीजे कोर्ट में चुनौती दी गई। एडवोकेट कौशिक शर्मा ने बैंक की ओर से दोनों के जमानत प्रार्थना पत्रों का कड़ा विरोध किया।

बैंक के सीईओ मोहम्मद इकबाल खान ने बताया कि अभियुक्तों ने बैंक के तत्कालीन अधिकारियों से मिलीभगत कर फर्जी संपत्ति दस्तावेजों के जरिए लोन लेकर फर्जीवाड़ा किया था। जिसको लेकर बैंक की ओर से माणक चौक थाने में 28 सितंबर, 2018 को यह एफआईआर दर्ज कराई गई थी। आरोपी दम्पती करीब 08 साल से फरार थे और दोनों आरोपियों पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

इस मामले में बैंक की तत्कालीन अध्यक्षा डॉ. फिरोजा बानो, तत्कालीन अधिकारियों, कर्मचारियों, ऋणियों व गारंटियों ने एक सोची समझी साजिश के तहत प्रोपर्टी के फर्जी दस्तावेजों के आधार पर विवादित व फर्जी सम्पतियों के मोर्गेज लोन स्वीकृत करवाकर करोड़ों रुपए की राशि हड़प कर बैंक को क्षति पहुंचाई गई थी।

जेएनयू हॉस्पिटल में सफल किडनी ट्रांसप्लांट

मरीज को 6 दिनों में अस्पताल से छुट्टी मिली

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. जेएनयू हॉस्पिटल ने एक और सफल किडनी ट्रांसप्लांट किया है। यह उपलब्धि राजस्थान में मरीजों को उन्नत एवं विशेषज्ञ ट्रांसप्लांट चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने की दिशा में अस्पताल की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

ट्रांसप्लांट के बाद मरीज ने तेजी से और सुचारू रूप से स्वास्थ्य लाभ किया तथा छठे दिन अस्पताल से छुट्टी दी गई। यह सफल सर्जिकल प्रक्रिया, व्यापक पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल तथा ट्रांसप्लांट टीम के समन्वित प्रयासों को दर्शाता है। डॉ. एस. एस. यादव ने बताया कि रेट्रोपेरिटोनियल रीनल ट्रांसप्लांट को डॉ. कविश शर्मा एवं डॉ. सुभाष कटारिया के समर्पित प्रयासों तथा संपूर्ण मेडिकल, नर्सिंग एवं सपोर्ट टीम के निरंतर सहयोग और समन्वय से सफलतापूर्वक किया गया। इस प्रक्रिया को जेएनयू हॉस्पिटल के उन्नत बुनियादी ढांचे, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों तथा व्यापक ट्रांसप्लांट केयर सुविधाओं का सहयोग प्राप्त हुआ। जेएनयू के चांसलर डॉ. संदीप बख्शी ने संपूर्ण ट्रांसप्लांट

टीम एवं सपोर्ट स्टाफ को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने टीम की प्रतिबद्धता, चिकित्सकीय विशेषज्ञता, समन्वय एवं टीमवर्क की सराहना की तथा कहा कि सफल किडनी ट्रांसप्लांट के बाद मात्र छह दिनों में मरीज को अस्पताल से छुट्टी मिलना, जेएनयू हॉस्पिटल की उन्नत ट्रांसप्लांट चिकित्सा सेवाओं में बढ़ती क्षमताओं का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि सफल ट्रांसप्लांट केवल एक चिकित्सकीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि मरीजों को बेहतर, स्वस्थ और पूर्ण जीवन जीने का एक नया अवसर प्रदान करने की प्रतिबद्धता भी है। यह उपलब्धि जेएनयू हॉस्पिटल की ट्रांसप्लांट टीम की सामूहिक विशेषज्ञता, प्रतिबद्धता, उन्नत चिकित्सा सुविधाओं और बेहतर समन्वित टीमवर्क का प्रमाण है।

चौहान की अध्यक्षता में भारतीय जनता पार्टी की बैठक

टोंक, समाचार जगत ब्यूरो। आगामी नगर परिषद चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी टोंक की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को भाजपा कार्यालय टोंक में जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में चुनाव प्रभारी माधोराम चौधरी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बैठक में नगर परिषद चुनाव की तैयारियों, संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी चुनावी रणनीति को लेकर विस्तार से मंथन किया गया। चुनाव प्रभारी माधोराम चौधरी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी नगर परिषद चुनाव संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की सक्रियता की परीक्षा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने-अपने क्षेत्र में पूरी सक्रियता के साथ कार्य करते हुए आमजन से निरंतर संवाद स्थापित करना होगा। उन्होंने कहा कि वार्ड स्तर से लेकर बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करते हुए चुनाव की तैयारियों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने पर उन्होंने विशेष जोर दिया। जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि भाजपा का सबसे मजबूत आधार उसका कार्यकर्ता और संगठन है।

आगामी नगर परिषद चुनाव में पार्टी कार्यकर्ता पूरी एकजुटता, अनुशासन और समर्पण के साथ मैदान में उतरेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच जाएं तथा आमजन की समस्याओं और सुझावों को भी प्राथमिकता के साथ संगठन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि चुनाव केवल प्रत्याशी का नहीं बल्कि पूरे संगठन का चुनाव होता है। इसलिए प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा के साथ निभानी होगी। उन्होंने वार्ड स्तर पर कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय, मतदाताओं से सतत संपर्क तथा संगठन की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने का आह्वान किया। बैठक में नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न वार्डों की राजनीतिक एवं संगठनात्मक स्थिति पर भी चर्चा की गई।

संभावित चुनावी परिस्थितियों को लेकर पदाधिकारियों से फीडबैक लिया गया तथा आगामी दिनों में किए जाने वाले जनसंपर्क एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने आगामी नगर परिषद चुनाव में भाजपा को मजबूत स्थिति में पहुंचाने के लिए पूरी ताकत के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि संगठन के निर्देशानुसार प्रत्येक वार्ड एवं बूथ पर सक्रियता बढ़ाकर पार्टी के पक्ष में सकारात्मक वातावरण तैयार किया जाएगा। बैठक में सहप्रभारी प्रकाश लाडवा, जिला महामंत्री विष्णु शर्मा, जिला उपाध्यक्ष शैलेन्द्र चौधरी, राजेश शर्मा, बबलू टैंकर, प्रधान काबरा, मंडल अध्यक्ष विष्णु चांवला, भगवान सैनी, नन्दलाल छान, सुरेश काचरिया, सुरेश काचरिया, जिला मंत्री हरिराम यादव, नीलिमा आमेरा, बीना छामुनिया, राधेश्याम चांवला, कोषाध्यक्ष महेंद्र सिरोठा, प्रवक्ता रत्तीराम पहाड़िया, विजय मालवानी, रामावतार धाभाई, ओमप्रकाश पांडे, कमलेश यादव, लोकेश गुप्ता, शम्भू शर्मा, बलवंत मराठा, आरव सिसोदिया, सुभाष सैनी, हेमंत सैनी, रामधन यादव, धर्मेंद्र राजावत, माधव बालानी, हनुमान बेरवा, किशनगोपाल जाट, हकीकत रॉय, रोहित जैन सहित अन्य मौजूद रहे।

विश्व उद्यमिता दिवस पर कार्यशाला का आयोजन

टोंक, समाचार जगत ब्यूरो। राजकीय महाविद्यालय टोंक में नवाचार एवं प्लेसमेंट सेल तथा इन्क्यूबेशन सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में विश्व उद्यमिता दिवस पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक तथा प्लेसमेंट सेल प्रभारी डॉ. नरेश कुमार वर्मा ने बताया कि केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार के निर्देशानुसार स्वावलम्बी भारत अभियान के तहत देश के युवाओं में उद्यमिता, स्टार्टअप तथा कौशल विकास को बढ़ावा देने हेतु 21 अगस्त से 5 सितंबर तक उद्यमिता पखवाड़ा मनाया जाएगा। जिसके अन्तर्गत युवाओं को नए व्यवसाय को प्रारम्भ करने, स्टार्टअप शुरू करने, अपने बिजनिस आइडिया को बाजार से जोड़ने हेतु मार्गदर्शन, मेंटरशिप, वित्तीय सहायता और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

इसमें विभिन्न सेमीनार और कार्यशालाओं के माध्यम से युवा उद्यमियों तथा स्टार्टअप लगाने वालों के व्याख्यान से संबंधी तकनीकी सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कार्यवाहक प्राचार्य आर.एस. जगरवाल ने कहा कि युवाओं को नौकरी खोजने वाले के साथ-साथ नौकरी देने वाला भी बनने का प्रयास करना चाहिए। हमें अपने स्थानीय उत्पादों एवं संसाधनों पर आधारित उद्यमिता की संभावनाओं पर भी विचार करना चाहिए। कार्यक्रम में स्टार्टअप डोमेन एक्सपर्ट सर्वप्रिय दौराया ने छात्र-छात्राओं को स्टार्टअप लगाने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में प्रो. सत्यपाल सिंह, डॉ. अजय कुमार मीना, डॉ. श्याम सोनी, मो. हनीफ सहित छात्र-छात्राओं ने उत्साहवर्धक भागीदारी की।

सायंकालीन

समाचार जगत

आर.एन.आई. नं. 67417/96

श्रावण शुक्ल पक्ष दशमी संवत् 2083

संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा

वर्ष 30 अंक 126

जयपुर, शनिवार 22 अगस्त, 2026

मूल्य: 2 रुपए

श्री श्री रवि शंकर जी

लोगों को जैसा वे हैं, वैसा ही स्वीकार करें और उनसे प्रेम करें। अपेक्षाएं टूटने पर ही दिल टूटता है।

राजस्थान ब्यूरोक्रेसी में बड़ा फेरबदल: 6 आईएएस और 7 आरएएस अफसरों के तबादले

तीन एपीओ आईएएस को दी पोस्टिंग, तबादलों के बाद तुरंत जॉइन करने के आदेश

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। राजस्थान की ब्यूरोक्रेसी और प्रशासनिक ढांचे में राज्य सरकार ने शुक्रवार देर रात बड़ा फेरबदल करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 6 और राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) के 7 अधिकारियों के तबादले एवं पदस्थापन आदेश जारी कर दिए हैं। साथ ही तीन एपीओ आईएएस अफसरों को पोस्टिंग दी गई है। कार्मिक विभाग की ओर से जारी आधिकारिक सूची के अनुसार, उदयपुर संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी का तबादला टीएडी आयुक्त के पद पर किया है। वहीं एपीओ चल रहे खजान सिंह को उदयपुर के संभागीय आयुक्त के पद पर पोस्टिंग दी गई है। एपीओ चल रहे एच. गुईटे को ओएसडी, एचसीएम रीपा जयपुर और अविचल चतुर्वेदी को आयुक्त खाद्य सुरक्षा के पद पर लगाया है। सोहनलाल का तबादला अतिरिक्त आयुक्त

वाणिज्यिक कर से कृषि विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर किया है। दिव्यांश सिंह को ब्यावर एसडीएम से शिक्षा विभाग में संयुक्त सचिव लगाया है। इसी प्रकार 7 आरएएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। 1 आरएएस अधिकारी का तबादला रद्द किया है। सुशील कुमार सैनी का सहायक कलेक्टर सीकर से एसडीओ नोहर के पद पर किया गया तबादला रद्द कर दिया है। राजलक्ष्मी गहलोत को एडीएम चित्तौड़गढ़ से एडीएम भू-अवाप्ति चित्तौड़गढ़, जगत राजेश्वर को उपसचिव कृषि विभाग से उपसचिव महिला आयोग जयपुर के पद पर लगाया है। जयपाल सिंह राठौड़ को उपायुक्त अजमेर विकास प्राधिकरण से एसडीओ ब्यावर में पोस्टिंग दी है। कार्तिकेय मीणा को डीएसओ कोटा से एसडीओ अकलेरा, पूजा मीणा को भू-अवाप्ति अधिकारी ईआरसीपी प्रोजेक्ट जल संसाधन विभाग अलवर से एसडीओ भवानी मंडी के पद पर लगाया है। सुनीता यादव-3 को कार्यकारी निदेशक परिवेदना निस्तारण राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी जयपुर से एसडीओ नोहर हनुमानगढ़ और बनवारी लाल बैरवा को एसडीओ अकलेरा शेष पृष्ठ छह पर

न्यूज गैलरी

तकनीकी खराबी के बाद हुई इंडिगो विमान की लैंडिंग

चेन्नई, एजेंसी। इंडिगो एयरलाइंस की एक और उड़ान में आई तकनीकी खराबी के चलते यात्रियों की सांसें अटक गईं। शुक्रवार शाम त्रिची से सिंगापुर जा रही इंडिगो की फ्लाइट में उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हवा में अचानक तकनीकी समस्या आ गई। 127 यात्रियों को लेकर उड़ रहे इस विमान को आपात स्थिति में वापस त्रिची इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा। हालांकि, लैंडिंग से पहले विमान करीब ढाई घंटे तक आसमान में चक्कर काटता रहा। जानकारी के अनुसार, शाम करीब 6.40 बजे विमान ने त्रिची एयरपोर्ट से उड़ान भरी। उड़ान भरने के साथ ही पायलटों को विमान में गड़बड़ी का एहसास हुआ। इसके बाद उन्होंने तुरंत त्रिची एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क किया। सुरक्षा नियमों के मुताबिक, किसी भी विमान को इमरजेंसी लैंडिंग से पहले उसका वजन और मौजूद अतिरिक्त ईंधन कम करना बेहद जरूरी होता है। इसी वजह से पायलटों ने हवा में ही गोल-गोल चक्कर लगाकर ईंधन का वजन घटाया, ताकि सुरक्षित लैंडिंग कराई जा सके। त्रिची एयरपोर्ट के डायरेक्टर गोपालकृष्णन ने बताया कि पूरी प्रक्रिया के दौरान एयरपोर्ट अधिकारी और एटीसी लगातार पायलटों के संपर्क में थे। जमीन पर आपातकालीन सेवाओं और सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए जाने के बाद, रात लगभग 9 बजे विमान की त्रिची एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग कराई गई।

राखी बुकिंग के विशेष काउंटर रविवार को भी खुलेंगे

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। भारतीय डाक विभाग ने आमजन की सुविधा के लिए रविवार 23 अगस्त को भी जयपुर नगर मंडल के सभी डाकघरों में राखी बुकिंग के लिए विशेष काउंटर खोलने का निर्णय लिया है। प्रवर अधीक्षक डाकघर, जयपुर नगर मंडल चिराग मेहता ने बताया कि इस विशेष व्यवस्था से विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, व्यवसायियों सहित अन्य नागरिकों को सुविधा मिलेगी, जो सामान्य कार्यदिवसों में समय के अभाव के कारण राखी की बुकिंग नहीं करा पाते हैं। उन्होंने आमजन से अपील की है कि रविवार को भी अपने नजदीकी डाकघर पहुंचकर राखी की बुकिंग करा सकते हैं। जयपुर नगर मंडल के सभी डाकघरों में इस विशेष सुविधा के लिए काउंटर खुले रहेंगे।

पश्चिम चंपारण: सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत

बेतिया, एजेंसी। बिहार में पश्चिम चंपारण जिले के लौरिया थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई तथा कई लोग घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि बनकटवा मध्य विद्यालय के समीप एक परिवार में आयोजित छठियार कार्यक्रम के दौरान शुक्रवार की रात सड़क किनारे आर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया था। बड़ी संख्या में ग्रामीण वहां आर्केस्ट्रा देख रहे थे। इसी दौरान एक बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे मौजूद लोगों को कुचलते हुए निकल गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, तथा कई लोग घायल हो गए।

कल्याण की बात...

शहरां की सरकार को,
मच्यं चुनावी शोर।
घर घर मां सैं नीसर'या,
नेता नया नकोर।।
@कल्याण सिंह शेखावत

परमाणु बिजलीघर में सीआईएसएफ के जवान की गोली लगने से मौत

खुद की सर्विस राइफल से हुआ फायर, सीने के पार हुई बुलेट

समाचार जगत ब्यूरो

चित्तौड़गढ़। रावतभाटा स्थित न्यूक्लियर पावर प्लांट में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवान प्रमिर सरकार (25) की गोली लगने से मौत हो गई। पश्चिम बंगाल निवासी प्रमिर के सीने में शनिवार सुबह करीब 4:30 बजे उनकी ही सरकारी राइफल से गोली लगी। घटना के समय वे रिएक्टर भवन के बाहर सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात थे।फायरिंग की आवाज सुनकर परिसर में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंचे कर्मचारियों ने प्रमिर को फर्श पर लहूलुहान हालत में पड़ा देखा। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सीआईएसएफ अधिकारियों के अनुसार गोली

जवान के सीने को पार कर गई थी। घटना की सूचना पर रावतभाटा थानाधिकारी संजीव स्वामी और सीआईएसएफ अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा कर्मचारियों से जानकारी ली। पुलिस ने शव को राजस्थान परमाणु बिजलीघर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। आत्महत्या या किसी अन्य कारण से गोली चलने की पुष्टि जांच के बाद होगी। प्रमिर वर्ष 2025 में सीआईएसएफ में भर्ती हुए थे और करीब छह माह पहले रावतभाटा में उनकी तैनाती हुई थी।

अलवर: महिला का शव पेड़ से फंदे पर लटका मिला, हत्या की आशंका

अलवर, समाचार जगत ब्यूरो। अकबरपुर थाना क्षेत्र के अहमदपुर गांव में शनिवार सुबह एक महिला का शव खेत में पेड़ से फंदे पर लटका मिला। गांव की महिलाएं खेत की ओर कचरा डालने गई थीं, तभी उन्होंने शव देखा। सूचना पर ग्रामीण और मृतका के परिजन मौके पर पहुंचे। मृतका की पहचान उषा यादव पत्नी राजकुमार यादव के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार उषा घर से करीब आधा किलोमीटर दूर स्थित खेत पर गई थी। उसके घर से निकलने की जानकारी परिजनों को नहीं थी। मृतका की बहन राजवंशी ने ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए हत्या की आशंका जताई है। उसका आरोप है कि उषा का पति राजकुमार खेती-बाड़ी करता है और शराब का आदी है। वह आए दिन उषा के साथ मारपीट करता था। बहन के अनुसार, कुछ समय पहले जब वह उषा को लेने पहुंची थी, तब उसके साथ भी मारपीट कर घर से भगा दिया गया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा होगा। उषा के दो बेटे हैं।

तीन दिन की बातचीत बेनतीजा

ट्रम्प ने कनाडा पर लगाया 50% टैरिफ

प्रधानमंत्री कार्नी बोले- यूएस ने आखिरी समय शर्तें बदली

एजेन्सी

वॉशिंगटन, ओटोवा। अमेरिका और कनाडा के बीच 3 दिन तक चली ट्रेड डील की बातचीत नाकाम रही। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार आधी रात से कनाडा के 20 अरब डॉलर के सामान पर 50% टैरिफ लागू कर दिया। यह टैरिफ कनाडा के अमेरिका भेजे जाने वाले कुल सामान का करीब 5% है। अमेरिका और कनाडा के अधिकारियों ने वॉशिंगटन डीसी में तीन दिन की बातचीत की थी, लेकिन व्यापार समझौता फाइनल नहीं हो सका। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि अमेरिका जितना टैरिफ लगाएगा, कनाडा भी उतना ही जवाब देगा। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में बातचीत में अच्छी प्रगति हुई थी, लेकिन वह कनाडा के हितों को पूरा करने के लिए काफी नहीं थी। आखिरी समय में अमेरिका ने डील की शर्तें बदल दीं। इससे किसी भी समझौते पर भरोसा करना मुश्किल हो गया। अमेरिका का कहना है कि कुछ क्षेत्रों में कनाडा की नीतियां अमेरिकी कंपनियों के लिए नुकसानदेह हैं। इससे पहले यूएस ने नए टैरिफ 20 अगस्त से लागने का ऐलान किया था। हालांकि, डेडलाइन से ठीक पहले दोनों देशों ने बातचीत करने का फैसला किया। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रम्प ने टैरिफ लागू करने की समयसीमा तीन दिन बढ़ा दी, ताकि बातचीत को अंतिम रूप देने की कोशिश की जा सके।

डॉलर के बदले डॉलर से देंगे टैरिफ का जवाब: कनाडा ने अमेरिका के साथ अपनी द्विपक्षीय व्यापार वार्ता रोक दी है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने स्पष्ट किया कि वॉशिंगटन द्वारा अंतिम क्षणों में प्रस्तावित शर्तों में किए गए बदलाव अनुचित और आर्थिक रूप से नुकसानदेह हैं। कार्नी ने घोषणा शेष पृष्ठ छह पर

उदयपुर में 2600 लीटर संदिग्ध दूध पकड़ा, त्योहार से पहले मिलावटखोरों पर सख्ती

उदयपुर, समाचार जगत ब्यूरो। रक्षाबंधन त्योहार को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। शनिवार सुबह मुखबिर की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सेक्टर-8 स्थित जड़ाव नर्सरी के पास घेराबंदी कर दूध से भरे टैंकर को रुकवाया। जांच के दौरान टैंकर से करीब 2600 लीटर संदिग्ध दूध बरामद हुआ। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. अशोक आदित्य और खाद्य निरीक्षक अशोक गुप्ता की टीम ने चालक से पूछताछ की। चालक ने अपनी पहचान भीलवाड़ा जिले के रेवाड़ निवासी मिलन माली के रूप में बताई। टैंकर के दो अलग-अलग हिस्सों में करीब 1500 और 1100 लीटर दूध भरा मिला।

नितिन नवीन की नई टीम की पहली बैठक में चुनावी रणनीति पर मंथन

समाचार जगत ब्यूरो

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को पार्टी की 65 सदस्यीय नई राष्ट्रीय टीम के साथ पहली बैठक की। इसमें आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी, बूथ और जमीनी स्तर पर संगठन मजबूत करने, युवाओं को जोड़ने और सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में हुई। बैठक से पहले राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सभी 6 अंतरे गाए गए। शेष पृष्ठ छह पर

प्रदेश के 18 जिलों में आज तेज बारिश की चेतावनी

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। राजस्थान में मानसून का दौर कमजोर पड़ गया है। मौसम विभाग ने आज पूर्वी राजस्थान के 18 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। शुक्रवार को भी 15 जिलों में बारिश का अलर्ट था, लेकिन इनमें से 11 जिलों में मौसम साफ रहा। चार जिलों में भी बारिश 10 मिलीमीटर से कम दर्ज हुई। मानसून के कमजोर चरण के चलते प्रदेश के अधिकांश जिलों में गर्मी के साथ उमस बढ़ गई है। अगस्त में भी कई स्थानों पर तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंच रहा है। मौसम विभाग ने 21 अगस्त को सीकर, झुंझुनूं, जयपुर, दौसा, अलवर, अजमेर, टोंक, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, बूंदी, कोटा, बारां और झालावाड़ में बादल छाने के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई थी। बारां के किशनगंज और अटरू में कुल 9 मिलीमीटर, भरतपुर के बयाना, उच्चैन और वैर में 6 मिलीमीटर, धौलपुर में 5 मिलीमीटर तथा कोटा के कानावास में 3 मिलीमीटर बारिश हुई। उदयपुर के मावली में भी 1 मिलीमीटर पानी बरसा।

वन महोत्सव में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। राजस्थान सरकार एवं बार एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय वन महोत्सव के तहत राजस्थान विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह स्थल पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर के न्यायाधीश उमाशंकर व्यास

तथा राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति अल्पना कटेजा सहित विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों ने पौधारोपण किया। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत न्यायाधीश उमाशंकर व्यास की ओर से भी पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि पौधारोपण के साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण भी जरूरी है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

भारत बना रहा शिंकुन-ला सुरंग: ले. जनरल हरपाल सिंह ने किया प्रोजेक्ट योजक का दौरा

निम्मू-पदम-दारचा रोड से फौरन चीन सीमा पहुंचेगी सेना

समाचार जगत ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत-चीन सीमा के पास लद्दाख और हिमाचल प्रदेश को जोड़ने वाले रणनीतिक रास्ते और जटिल सुरंग बनाने पर तेजी से काम कर रहा है। इसी सिलसिले में बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) के डायरेक्टर जनरल (डीजीबीआर) लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह (AVSM, VSM) ने 18 से 20 अगस्त 2026 तक 'प्रोजेक्ट योजक' का दौरा किया। इस दौरे का मकसद हिमालयी क्षेत्र में अहम रणनीतिक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स जैसे निम्मू-पदम-दारचा रोड और शिंकुन ला टनल के काम की प्रगति का जायजा लेना था। लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह का यह तीन दिन का दौरा 'प्रोजेक्ट योजक' के तहत चल रहे निर्माण कार्य के आकलन पर केंद्रित था। इस प्रोजेक्ट के जरिए देश के सबसे मुश्किल पहाड़ी इलाकों में से एक में बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है। समीक्षा में खास तौर पर निम्मू-पदम-दारचा रूट पर ध्यान दिया गया, जिसे लद्दाख, जंस्कार क्षेत्र और हिमाचल प्रदेश के बीच कनेक्टिविटी बेहतर बनाने के लिए एक अहम रास्ता माना जाता है। निम्मू-पदम-दारचा रोड लद्दाख में निम्मू को जंस्कार घाटी में पदम और हिमाचल प्रदेश में दारचा से जोड़ती है। दूर-दराज के इलाकों को जोड़ने के अलावा, इस सड़क को लद्दाख तक पहुंचने के लिए एक रणनीतिक विकल्प के तौर पर देखा जाता है, जिससे भारत को इस इलाके में आवाजाही के लिए एक और रास्ता मिल जाता है। शेष पृष्ठ छह पर

ट्रक से टकराई कार के परखच्चे उड़े, 3 की मौत और 8 गंभीर

नागपुर से कुबेरेश्वर धाम जा रहे थे 11 लोग बैतूल में मुलताई फोरलेन पर हादसा

एजेन्सी

मुलताई (बैतूल)। बैतूल जिले के मुलताई फोरलेन पर जौतू ढाबे के पास एक तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। मौके पर ही पति-पत्नी सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा शनिवार तड़के 3:30 बजे का बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, कार में सभी श्रद्धालु थे, जो नागपुर (महाराष्ट्र) के पास बुट्टी बोरी कोल माइंस एरिया के रहने वाले हैं। ये लोग सीहोर के कुबेरेश्वर धाम दर्शन करने के लिए जा रहे थे। पुलिस ने आशंका जताई है कि झपकी आने के कारण कार ड्राइवर सड़क किनारे खड़ा ट्रक नहीं देख पाया होगा और हादसे का शिकार हो गया। हालांकि, सही वजह जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। अभी दो मृतकों की पहचान हुई है, जो पति-पत्नी हैं। इनके नाम 40 वर्षीय छाया और 42 वर्षीय दीपक हैं। तीसरी महिला की पहचान नहीं हो पाई है।

सागर बून्द समाय

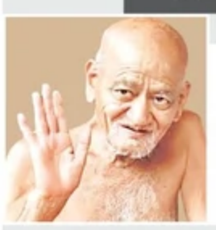

भारत देश आज अर्त की हवा में इतना बहता जा रहा है कि वह अपने अतीत के आदर्श भूलते जा रहा है।

■ आचार्य विद्यासागरजी

संपादकीय...

वैश्विक श्रम की मांग को पूरा करने के लिए कौशल विकास और संस्थागत तंत्र को मजबूत किया जाए

भारत दुनिया की सबसे बड़ी प्रवासी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है और यहां के करीब 1.85 करोड़ लोग विदेश में रहते हैं। इतना ही नहीं भारत विदेश से वापस धन प्रेषण यानी रेमिटेंस हासिल करने वाला सबसे बड़ा देश भी है। यह इस आवश्यकता को रेखांकित करता है कि वैश्विक श्रम की मांग को पूरा करने के लिए कौशल विकास और संस्थागत तंत्र को मजबूत किया जाए। वर्तमान पाइप लाइन मुख्यतः कम कौशल वाले कार्यों पर केंद्रित है, जहां केवल निर्माण क्षेत्र ही राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा सुगम की गई विदेशी नियुक्तियों का 71.3 फीसदी हिस्सा रखता है। इस रुझान में विविधता लाने का बहुत बड़ा अवसर है। विकसित देशों में बढ़ती उम्र की आबादी और श्रम योग्य आयु वाले लोगों की बढ़ती संख्या के कारण श्रम बाजारों में हालात तंग हो रहे हैं। इसके साथ ही ढांचागत कौशल की विसंगति और शिक्षा तथा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का कमजोर संयोजन भी कुशल श्रमिकों की कमी की वजह बन रहा है। मांग अब बुनियादी ढांचे और निर्माण, लॉजिस्टिक्स और परिवहन, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी और डिजिटल सेवाओं, हरित परिवर्तन उद्योग, आतिथ्य, स्वास्थ्य सेवा तथा व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाओं में विस्तारित हो रही है। भारत की चुनौती यह है कि वह अपने श्रमबल को इन कमी या जरूरत वाले क्षेत्रों से जोड़े, बजाय इसके कि वह पारंपरिक, कम वेतन वाले प्रवासन चैनलों पर मुख्य रूप से निर्भर रहे। खराब तरीके से संगठित प्रवासन भारत की आर्थिक उपलब्धियों को भी कमजोर कर सकता है। नेशनल ब्यूरो ऑफ इकनॉमिक रिसर्च द्वारा 2023 में प्रकाशित एक अध्ययन में भारतीय श्रमिकों के यूएई प्रवासन का विश्लेषण किया गया और पाया गया कि प्रवासन ने पारिश्रमिक को दोगुना कर दिया, लेकिन बिचौलियों की फीस ने वास्तविक आय को लगभग 10 फीसदी घटा दिया। प्रवासियों ने अपनी निजी खुशहाली और संतुष्टि में भी काफी गिरावट महसूस की। इस तरह के खर्च, अधूरी जानकारी और सुरक्षा के कमजोर इंतजामों से पैदा होने वाले जोखिमों को उजागर करते हैं। नीति का उद्देश्य केवल अधिक कामगारों को भेजना नहीं होना चाहिए, बल्कि अनौपचारिक कम वेतन वाले प्रवासन से हटकर मांग आधारित कौशल युक्त गतिशीलता की ओर बढ़ना चाहिए। इसके लिए माईग्रेशन डेशबोर्ड, विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणन और नियोक्ता साझेदारियों की जरूरत है। बड़ी संख्या में राज्यों को मोबिलिटी रिर्सोस सेंटर्स स्थापित करने पर विचार करना चाहिए जो गतिशीलता सेवाओं की अंतिम डिलीवरी के लिए संस्थागत इंटरफेस के तौर पर काम करें। ये केंद्र परामर्श, करियर मार्गदर्शन, गंतव्य देश की जरूरतों की जानकारी, दस्तावेजीकरण और प्रस्थान पूर्व सहयोग प्रदान कर सकते हैं जिससे कामगार अधिक जानकारी परक निर्णय ले सके और अनौपचारिक बिचौलियों पर उनकी निर्भरता कम हो। इसके अलावा प्रवासी समुदाय का समर्पित प्रतिनिधित्व भी महत्वपूर्ण है ताकि कामगारों की चिंताओं को मेजबान देशों की सरकारों तक पहुंचाया जा सके, कानूनी सुरक्षा को मजबूत किया जा सके और समय पर शिकायत का निवारण सुनिश्चित किया जा सके। राज्यों को सर्कुलर माइग्रेशन (श्रमिकों की बार-बार आवाजाही) को भी बढ़ावा देना चाहिए। कौशल, बचत और अंतरराष्ट्रीय अनुभव के साथ लौटने वाले कामगारों को घरेलू बाजार में दोबारा प्रवेश करने, उद्यम शुरू करने या उत्पादक रोजगार पाने के लिए सहयोग मिलना चाहिए। इससे प्रवासन केवल श्रम का एकतरफा प्रवाह न रहकर ज्ञान और पूंजी हस्तांतरण का माध्यम बन जाएगा। यद्यपि यह ध्यान रखना आवश्यक है कि विदेशी प्रवासन घरेलू रोजगार तैयार करने का विकल्प नहीं हो सकता। भारत को दोहरी रणनीति अपनानी होगी। एक ओर उसे ऐसा कार्यबल तैयार करना जो बेहतर वैश्विक अवसरों तक पहुंच सके और दूसरी ओर घरेलू स्तर पर उत्पादक रोजगार का विस्तार करना होगा। उद्देश्य यह होना चाहिए कि प्रवासन आवश्यकता नहीं बल्कि अवसर पर आधारित विकल्प बने और भारत केवल श्रम आपूर्ति करने वाला देश न रहकर वैश्विक स्तर पर कौशल युक्त मानव पूंजी का स्त्रोत बने।

भारत दुनिया की सबसे बड़ी प्रवासी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है और यहां के करीब 1.85 करोड़ लोग विदेश में रहते हैं। इतना ही नहीं भारत विदेश से वापस धन प्रेषण यानी रेमिटेंस हासिल करने वाला सबसे बड़ा देश भी है

शहरनामा

बिना दहेज के विवाह-3

1888 ई. में विवाहित नन्दरानी देवी 18 वर्ष ही हाथी बाबू के साथ रह पाई। 1906 में अपने देहान्त से पूर्व वे आठ बच्चों की मां बन चुकीं थी। इनमें दो लड़के और दो ही लड़कियां जीवित रहे। नन्दरानी की मृत्यु के समय ये चारों बच्चे छोटे थे। जिन्हें मां की बड़ी जरूरत थी। हाथी बाबू ने छह महीने बाद ही दूसरा विवाह किया, कलकत्ता के अक्षयचन्द्र बनर्जी की पुत्री तपती कुमारी से जो आज भी उनके घर में बैठी हैं। तपती कुमारी के भी छह सन्तान हुई जिनमें दो पुत्र और दो पुत्रियां जीवित हैं।

यों हाथी बाबू के दो विवाह हुए। जैसा सौदामिनी देवी ने समझा था, उनकी पहली पत्नी नन्दरानी सचमुच भाग्यशालिनी सिद्ध हुई। ईशानचन्द्र या हाथी बाबू 1899 में अपीलेट कोर्ट के जज बने थे। 1901 में अपने पिता के देहान्त के बाद वे कौंसिल के सीगामेम्हर बने और नन्दरानी की मृत्यु तक रेवन्यू सीगे में काम करते रहे।

श्रावण मास : शुद्धता, शुभता, धार्मिकता, प्रकृति, शृंगार और विरह का अद्भुत संगम

■ संजय जैन बड़जात्या, कामवन
(सामाजिक चिंतक एवं स्वतंत्र लेखक)

भारत की सनातन संस्कृति में यदि किसी एक महीने को प्रकृति, अध्यात्म, प्रेम और लोकजीवन का सबसे सुंदर प्रतीक कहा जाए तो वह श्रावण मास है। सामान्य बोलचाल में जिसे 'सावन' कहा जाता है, वह केवल पंचांग का एक महीना नहीं बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन का जीवंत उत्सव है। यह ऐसा कालखंड है, जिसमें आस्था और प्रकृति एक-दूसरे का हाथ थामकर मनुष्य को आत्मिक शुद्धता की ओर ले जाती हैं। जिस प्रकार इस्लाम में रमजान का महीना इबादत और आत्मसंयम का संदेश देता है तथा जैन धर्म में भाद्र मास और चातुर्मास आत्मशुद्धि एवं तपस्या के पर्व माने जाते हैं, उसी प्रकार सनातन परंपरा में श्रावण मास को भगवान शिव की आराधना, आत्मसंयम, भक्ति और लोकमंगल का श्रेष्ठ समय माना गया है।

भीषण ग्रीष्म ऋतु के बाद जब आकाश से वर्षा की पहली बूंद धरती को स्पर्श करती है तो मानो समूची प्रकृति नया जीवन प्राप्त कर लेती है। सूखी धरती हरी चादर ओढ़ लेती है, नदियां-तालाब भरने लगते हैं, खेतों में नई आशा अंकुरित होती है और मनुष्य के भीतर भी नवीन ऊर्जा का संचार होता है। यही कारण है कि सावन केवल मौसम का परिवर्तन नहीं बल्कि मन और प्रकृति दोनों के पुनर्जन्म का प्रतीक माना गया है।

सावनः आत्मशुद्धि और धार्मिक साधना का श्रेष्ठ समय

श्रावण मास को भगवान शिव का प्रिय महीना माना गया है। इस पूरे महीने देशभर के शिवालयों में विशेष पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक, जलाभिषेक, महामृत्युंजय मंत्र का जाप और शिव स्तुति का आयोजन होता है। लाखों श्रद्धालु गंगाजल लाकर शिवलिंग का अभिषेक करते हैं। सावन के प्रत्येक सोमवार का विशेष महत्व है और श्रद्धालु व्रत रखकर भगवान शिव एवं माता पार्वती की पूजा करते हैं।

यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मसंयम का अभ्यास भी है। अनेक लोग इस महीने सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं, ब्रह्मचर्य का पालन करते हैं, नशे से दूर रहते हैं, अनावश्यक हिंसा से बचते हैं तथा मन, वचन और कर्म की पवित्रता बनाए रखने का प्रयास करते हैं। वास्तव में सावन मनुष्य को बाहरी नहीं बल्कि भीतरी शुद्धता का संदेश देता है।

प्रकृति और सावन का आध्यात्मिक संबंध

श्रावण का आगमन प्रकृति के सबसे मनोहारी रूप को सामने लाता है। चारों ओर फैली हरियाली, बादलों का संगीत, वर्षा की रिमझिम, मिट्टी की सोंधी सुगंध, मोर का नृत्य और खेतों में लहलहाती फसलें मनुष्य के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं।

भारतीय दर्शन सदैव प्रकृति को ईश्वर का स्वरूप मानता आया है। इसलिए सावन में प्रकृति की पूजा भी एक प्रकार से ईश्वर की ही आराधना है। इस मौसम में वृक्षारोपण, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी निहित है। आज जब पर्यावरण संकट विश्व की सबसे बड़ी चुनौतियों में शामिल है, तब सावन हमें प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा देता है।

सावन और शृंगार का अनुपम सौंदर्य

यदि भारतीय लोक साहित्य में किसी ऋतु का सबसे अधिक वर्णन हुआ है तो वह सावन है। यह महीना प्रेम, सौंदर्य और शृंगार का सबसे कोमल रूप प्रस्तुत करता है। गांवों में पेड़ों पर झूले पड़ते हैं, महिलाएं हरे वस्त्र धारण करती हैं, हाथों में मेहंदी रचाती हैं, चूड़ियां पहनती हैं और कजरी, मल्हार तथा सावनी गीत गाती हैं।

तीज, हरियाली तीज, नागपंचमी, रक्षाबंधन जैसे अनेक पर्व इसी अवधि में आते हैं, जो परिवार और समाज के रिश्तों को और अधिक मजबूत बनाते हैं। नवविवाहिताओं के लिए सावन विशेष उत्साह का समय माना जाता है। मायके जाने की परंपरा, सखियों के साथ झूला झूलना और लोकगीतों का गायन भारतीय संस्कृति की जीवंत पहचान है।

भारतीय काव्य परंपरा में सावन का शृंगार केवल बाहरी सजावट नहीं बल्कि मन के उल्लास का प्रतीक है। वर्षा की बूंदें, काले मेघ और शीतल हवाएं प्रेम की भावनाओं को और अधिक प्रगाढ़ बना देती हैं।

शृंगार के साथ विरह की भी ऋतु है सावन

सावन का दूसरा पक्ष उतना ही मार्मिक है जितना उसका शृंगार। जहां मिलन है, वहीं विरह भी है। भारतीय साहित्य में सावन को विरह की ऋतु भी कहा गया है। वर्षा की रिमझिम, मेघों की गर्जना और झूलों की मस्ती उन लोगों के हृदय में पीड़ा भी जगाती है जिनके प्रिय उनसे दूर हैं। लोकगीतों में विरहिणी नायिका बादलों से संदेश भेजती है। वह पपीहे की पुकार में अपने प्रिय की आवाज सुनती है। कोयल का स्वर उसे बेचैन कर देता है। वर्षा की हर बूंद उसके मन में बिछोह की वेदना को और गहरा कर देती है।

महाकवि कालिदास के मेघदूत में विरही यक्ष बादल को अपना दूत बनाकर अपनी प्रिया तक संदेश भेजते हैं। यही भारतीय साहित्य की वह अमर परंपरा है जिसमें सावन केवल वर्षा नहीं बल्कि संवेदनाओं का महासागर बन जाता है।

पौराणिक मान्यताओं में सावन का महत्व

सनातन धर्मग्रंथों में श्रावण मास को विशेष महत्व दिया गया है। इसके पीछे अनेक धार्मिक और पौराणिक आधार बताए गए हैं।

पहली मान्यता के अनुसार महर्षि मृकण्डु के पुत्र ऋषि मार्कण्डेय ने इसी महीने भगवान शिव की कठोर तपस्या कर दीर्घायु का वरदान प्राप्त किया था। उनकी भक्ति के आगे मृत्यु के देवता यमराज भी पराजित हो गए थे।

दूसरी मान्यता यह है कि भगवान शिव सावन में अपनी ससुराल आते हैं। इसलिए इस महीने उनका विशेष स्वागत जलाभिषेक और पूजन से किया जाता है। भक्तों के लिए यह शिव कृपा प्राप्त करने का सर्वोत्तम समय माना गया है।

तीसरी मान्यता समुद्र मंथन से जुड़ी है। समुद्र मंथन के समय निकले कालकूट विष को भगवान शिव ने अपने कंठ में धारण कर संपूर्ण सृष्टि की रक्षा की। विष की तीव्रता कम करने के लिए देवताओं ने उन पर निरंतर गंगाजल अर्पित किया। इसी कारण सावन में शिवलिंग पर जल, बेलपत्र, धतूरा और आक के पुष्प चढ़ाने की परंपरा प्रचलित हुई। शिवपुराण में भी जलाभिषेक का विशेष महत्व बताया गया है। शिव स्वयं जलतत्त्व से जुड़े माने गए हैं, इसलिए जल अर्पित करना अत्यंत पुण्यदायी माना गया है।

चातुर्मास और संयम का संदेश

श्रावण से चातुर्मास का आरंभ होता है। यह वह समय है जब अनेक संत-महात्मा एक स्थान पर रहकर साधना करते हैं। वर्षा ऋतु में सूक्ष्म जीवों की रक्षा, अहिंसा का पालन और आत्मचिंतन इस परंपरा का मूल उद्देश्य है।

धार्मिक दृष्टि से माना जाता है कि इस अवधि में भगवान विष्णु योगनिद्रा में रहते हैं और सृष्टि के संचालन में भगवान शिव की प्रधानता मानी जाती है। यही कारण है कि सावन शिवभक्ति का सर्वोच्च काल माना जाता है।

सावन का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व

सावन केवल मंदिरों तक सीमित नहीं है। यह समाज में प्रेम, सहयोग और पारिवारिक एकता का संदेश देता है। गांवों में मेलों का आयोजन होता है, लोकनृत्य और लोकसंगीत जीवंत हो उठते हैं। किसान वर्षा के लिए ईश्वर का आभार व्यक्त करते हैं और नई फसल की तैयारी में जुट जाते हैं।

यह महीना हमें संयमित जीवन, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, परिवार के प्रति समर्पण और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का बोध कराता है। आज के भागदौड़ भरे जीवन में सावन हमें रुककर स्वयं के भीतर झांकने का अवसर देता है।

आधुनिक जीवन में सावन की प्रासंगिकता

आज विज्ञान और तकनीक के युग में भी सावन की महत्ता कम नहीं हुई है। मानसिक तनाव, प्रदूषण, भौतिक प्रतिस्पर्धा और जीवन की व्यस्तता के बीच सावन हमें आध्यात्मिक संतुलन, मानसिक शांति और प्रकृति से जुड़ने की प्रेरणा देता है। सात्विक भोजन, उपवास, योग, ध्यान, वृक्षारोपण, जल संरक्षण और सामाजिक सेवा जैसे कार्य सावन की वास्तविक भावना को और अधिक सार्थक बनाते हैं। यदि हम इस महीने के संदेश को अपने जीवन में उतार लें तो व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों स्तरों पर सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

श्रावण मास भारतीय संस्कृति का वह दिव्य अध्याय है जिसमें धर्म, दर्शन, प्रकृति, प्रेम, लोकजीवन और साहित्य का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। यह महीना हमें सिखाता है कि जीवन केवल भौतिक उपलब्धियों का नाम नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, संयम, करुणा, प्रकृति-प्रेम और ईश्वर के प्रति समर्पण का भी नाम है।

सावन में जहां शिवभक्ति की गूंज सुनाई देती है, वहीं झूलों की मस्ती, मेहंदी की महक, कजरी की मधुर तान और विरहिणी के आंसुओं का भी अपना अलग संसार है। यही कारण है कि श्रावण केवल एक महीना नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है—जहां शुद्धता है, शुभता है, धार्मिकता है, प्रकृति है, शृंगार है और विरह की मार्मिक संवेदना भी है।

आइए, इस पावन श्रावण मास में हम केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित न रहें, बल्कि अपने विचारों को भी पवित्र बनाएं, प्रकृति की रक्षा का संकल्प लें, समाज में सद्भाव बढ़ाएं और भगवान शिव के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करें। यही सावन की सच्ची साधना और उसकी वास्तविक महिमा है।

(लेखक के निजी विचार है)

मोबाइल ने छीना बच्चों का मैदानी खेलकूद

■ बाल मुकुन्द ओझा

देश की सर्वोच्च अदालत ने डिजिटल युग में बच्चों की शारीरिक गतिविधियों में आई भारी गिरावट पर बेहद गंभीर चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि आज के दौर में बच्चे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और स्मार्टफोन में इस कदर व्यस्त हैं कि उनका मैदानी खेल-कूद लगभग खत्म हो गया है, जबकि सर्वांगीण विकास के लिए यह बेहद जरूरी है। याचिका में बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेलों को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग की गई है। यह पूरी टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट में स्पोर्ट्स को मौलिक अधिकार घोषित करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान आई। यह याचिका खेल शोधकर्ता डॉ. कनिष्का पांडे द्वारा दाखिल की गई है। इसमें मुख्य मांग ये है कि भारतीय संविधान के भाग-3 (अनुच्छेद 21A) के तहत खेलों को भी शिक्षा की तरह बच्चों का 'मौलिक अधिकार' घोषित किया जाए। मोबाइल के चलन से बच्चों की मासूमियत खत्म होती जा रही है। आज ज्यादातर बच्चे परंपरागत खेलों के बजाय इंटरनेट के जरिये मोबाइल पर गेम्स पर समय बिताते हैं। बचपन एक कमरे तक सिमट कर रह गया है। उनके खेल व मनोरंजन के तरीके बदल गए हैं। बच्चे पहले लुका-छिपी, खो खो, गिल्ली-डंडा, रस्सी कूद, क्रिकेट, फुटबॉल, बालीबाल पतंग उड़ानें जैसे पारंपरिक खेलों से अपना मन बहलाते थे, वहीं अब बच्चे इन खेलों से दूर हो गए हैं। शारीरिक व्यायाम वाले इन सब खेलों की जगह अब पूरी तरह से मोबाइल गेम ने ले ली है। ऐसा लगता है अब मोबाइल ही उनकी जिंदगी का अहम् हिस्सा बन गए है यहाँ तक की माता पिता भी बच्चों के हाथों में मोबाइल थमा देते है ताकि व अपने अन्य काम आसानी से कर सके। हमारा बच्चा मोबाइल की दुनिया में कैद है। एशियन जरनल ऑफ मेडिसिन साइंस' की एक रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। देश में 2 से 5 साल के एज ग्रुप के बच्चे रोजाना करीब 4 घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं. जबकि 5 से 10 साल की उम्र के बच्चे 5 घंटे से ज्यादा और 10 से 18 वर्ष के बच्चे 6 घंटे से अधिक समय स्क्रीन पर बिताते हैं। यह बच्चों के स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जिन बच्चों का स्क्रीन टाइम ज्यादा है उनमें से 41 फीसदी बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है स्वास्थ्य की बात करें तो ज्यादा स्क्रीन टाइम बिताने वाले करीब 30 फीसदी बच्चे ओबेसिटी के शिकार हो रहे हैं। जबकि करीब 25 फीसदी बच्चे अंडरवेट और करीब 14 फीसदी बच्चे ओवरवेट के शिकार हो रहे है। आज बड़ों के साथ-साथ बच्चों में भी जबरदस्त स्मार्टफोन इस्तेमाल करने की लत देखने को मिल रही है। एक मीडिया खबर के अनुसार लगभग 23.80 प्रतिशत बच्चे सोने से पहले बिस्तर पर स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं। लगभग 37.15 प्रतिशत बच्चे स्मार्टफोन के उपयोग के कारण एकाग्रता के स्तर में कमी का अनुभव करते हैं। साथ ही अधिक स्मार्टफोन यूज करने के कारण मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आजकल मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल बच्चों को इंटरनेट एडिक्शन की तरफ ले जा रहा है। इस तरह के एडिक्शन से मानसिक बीमारियां पैदा होती हैं और ऐसे में बच्चे कोई न कोई गलत कदम उठा लेते हैं। आजकल के बच्चे इंटरनेट लवर हो गए हैं। इनका बचपन रचनात्मक कार्यों की जगह डेटा के जंगल में गुम हो रहा है। पिछले कई सालों में सूचना तकनीक ने जिस तरह से तरक्की की है, इसने मानव जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है बल्कि एक तरह से इसने जीवनशैली को ही बदल डाला है। बच्चे और युवा एक पल भी स्मार्टफोन से खुद को अलग रखना गंवारा नहीं समझते। इनमें हर समय एक तरह का नशा सा सवार रहता है। वैज्ञानिक भाषा में इसे इंटरनेट एडिक्शन डिस्ऑर्डर कहा गया है। मौजूदा दौर में बच्चों में खेलकूद का स्थान इंटरनेट ने ले लिया है। इसका सीधा प्रभाव बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर पड़ा है। शहरों के साथ अब गांवों में भी मोबाइल की पहुँच होने से बच्चों में इंटरनेट की लत बढ़ गई है। इससे उनमें संवादहीनता का खतरा बढ़ रहा है। बच्चे के ऐसे व्यवहार को अनदेखा करने की जगह इस पर सजग और सावधान होने की जरूरत है। मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि इससे बच्चों का स्वाभाविक विकास बुरा प्रभाव पड़ता है। एक अभिभावक का कहना है उसका बेटा स्कूल से आते ही कंप्यूटर पर बैठ जाता है, कई आवाज लगाने पर भी हिलता तक नहीं। बाहर घूमने की जगह उनका बेटा कंप्यूटर पर व्यस्त रहता है, लेकिन अब उसके व्यवहार पर चिंता होने लगी है। वह किसी से बात करना तक पसंद नहीं करता, ज्यादा कुछ बोलों तो चिढ़ जाता है या चिल्लाकर जवाब देता है। एक दूसरा अभिभावक अपनी बेटी के व्यवहार से चिंतित है। वह कहती हैं कि अभी आठवीं कक्षा में ही है, लेकिन उसके अंदर इस उम्र के बच्चों सी चपलता और चंचलता नहीं है। काफी कम बोलती है। इंटरनेट सर्फिंग में उसका खाली समय बीतता है।

(लेखक के निजी विचार है)

बिखरते परिवार, बदलते संस्कार और अकेला होता समाज

■ डॉ. विजय गर्ग

परिवार हमेशा से मानव समाज की सबसे मजबूत नींवों में से एक रहा है। यही वह पहला स्थान है जहां बच्चा प्रेम, सहयोग, सम्मान, जिम्मेदारी, करुणा और रिश्तों का महत्व सीखता है। पीढ़ियों से परिवार ने केवल भावनात्मक सुरक्षा ही नहीं दी, बल्कि व्यक्ति को पहचान, अपनापन और निरंतरता का एहसास भी कराया। लेकिन सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी बदलावों की तेज गति परिवारों की संरचना और कार्यप्रणाली को तेजी से बदल रही है। जैसे-जैसे पारंपरिक पारिवारिक रिश्तों की पकड़ कमजोर हो रही है, वैसे-वैसे समाज में बदलते मूल्य और बढ़ता अकेलापन भी दिखाई देने लगा है। एक समय संयुक्त परिवार व्यवस्था में कई पीढ़ियां एक ही छत के नीचे रहती थीं। दादा-दादी, माता-पिता, बच्चे, चाचा-चाची और अन्य रिश्तेदार जिम्मेदारियां, अनुभव, खुशियां और कठिनाइयां साझा करते थे। बच्चे विभिन्न पीढ़ियों को देखकर ही जीवन के अनेक महत्वपूर्ण पाठ सीख लेते थे। आज छोटे परिवार और शिक्षा तथा रोजगार के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना सामान्य हो गया है। युवा अक्सर पढ़ाई और नौकरी के लिए बड़े शहरों या दूसरे देशों में चले जाते हैं, जबकि बुजुर्ग माता-पिता पीछे अकेले रह जाते हैं। यदि रिश्तों को सचेत रूप से बनाए न रखा जाए तो भौतिक दूरी धीरे-धीरे भावनात्मक दूरी में बदल सकती है। पारिवारिक रिश्तों में बदलाव का एक प्रमुख कारण आधुनिक जीवन की बढ़ती गति है। लंबे कार्य घंटे, पढ़ाई का दबाव, आर्थिक चिंताएं, आने-जाने में लगने वाला समय और पेशेवर प्रतिस्पर्धा लोगों को सार्थक पारिवारिक संवाद के लिए कम समय देते हैं। कई बार परिवार के सदस्य एक ही घर में मौजूद होते हुए भी स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, टेलीविजन, ऑनलाइन मनोरंजन और काम से जुड़े संदेशों में व्यस्त रहते हैं। तकनीक ने संवाद को आसान जरूर बनाया है, लेकिन उसने रिश्तों को आवश्यक रूप से गहरा नहीं किया है। परिवार के सदस्य भोजन की मेज पर साथ बैठे हो सकते हैं, लेकिन हर व्यक्ति की नजर अलग-अलग स्क्रीन पर होती है। दिनभर संदेशों का आदान-प्रदान हो सकता है, फिर भी दिल से होने वाली बातचीत कम होती जा रही है। डिजिटल जुड़ाव आमने-सामने बैठकर बातचीत करने की गर्माहट, साथ भोजन करने की खुशी, एक-दूसरे की चिंता सुनने या कभी-कभी बिना कुछ कहे साथ बैठने के अनुभव का पूरी तरह स्थान नहीं ले सकता। बदलते पारिवारिक मूल्यों का एक महत्वपूर्ण पहलू जीवन-दृष्टि में आया परिवर्तन भी है। पहले समायोजन, त्याग, धैर्य, सामूहिक जिम्मेदारी और बड़ों के सम्मान पर विशेष जोर दिया जाता था। आज व्यक्तिगत स्वतंत्रता, निजी उपलब्धि, निजता और आत्मनिर्भरता को अधिक महत्व दिया जाने लगा है। ये मूल्य अपने आप में नकारात्मक नहीं हैं। वास्तव में स्वतंत्रता और समानता एक स्वस्थ समाज के लिए आवश्यक हैं। समस्या तब उत्पन्न होती है जब व्यक्तिगत हितों के सामने संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और दूसरों के प्रति विचार पूरी तरह पीछे छूट जाते हैं।

(लेखक के निजी विचार है)

फ्रोजन शोल्डर

फ्रोजन शोल्डर (Frozen Shoulder) को चिकित्सकीय भाषा में एडहेसिव कैप्सुलाइटिस कहा जाता है। इसमें कंधे के जोड़ में सूजन, जकड़न और बहुत दर्द होने लगता है, जिससे कंधे का चलन (गति) धीरे-धीरे कम हो जाता है। यह बहुत कष्टदायक होता है।

■ डॉ.एम.एल जैन "मणि"
बीएमएस (होम्योपैथी), पीएचडी, अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वरिष्ठ होम्योपैथ एवं पूर्व शैक्षणिक सदस्य होम्योपैथिक विश्वविद्यालय,जयपुर

होने का स्थान:

यह रोग कंधे के जोड़ (शोल्डर जॉइंट) में होता है। कंधे की हड्डियों को ढकने वाली कैप्सूल में सूजन और कठोरता आने के कारण हाथ उठाने, पीछे ले जाने तथा घुमाने में बहुत कठिनाई होती है।

होने का कारण:

फ्रोजन शोल्डर होने के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं-

बढ़ती उम्र में अधिक देखा जाता है। मधुमेह (डायबिटीज) भी एक कारक है। कंधे की चोट या फ्रैक्चर से भी हो सकता है। लंबे समय तक हाथ को स्थिर रखने के कारण। गठिया (आर्थराइटिस) भी एक प्रमुख कारण है। थायरॉयड रोग में भी हो सकता है। हृदय रोग भी एक कारण हो सकता है। स्ट्रोक के बाद भी हो सकता है। लंबे समय तक गलत मुद्रा में बैठना भी इसे जन्म दे सकता है।

इसके लक्षण:

कंधे में लगातार दर्द का बने रहना। कंधे में बहुत जकड़न रहना। हाथ ऊपर उठाने में बहुत कठिनाई होना। कपड़े पहनने या बाल बनाने में भी परेशानी आना। रात में दर्द का बढ़ जाना। कंधे की गति कम हो जाना। हाथ पीछे ले जाने में बहुत कठिनाई होना।

इस रोग के चरण:

1. **दर्द वाला चरण-** इसमें दर्द बढ़ता है और गति कम होने लगती है।
2. **जकड़न वाला चरण-** बाद में दर्द कुछ कम होता है, लेकिन कंधा बहुत जकड़ जाता है।
3. **ठीक होने का चरण-** धीरे-धीरे कंधे की गति वापस आने लगती है। दर्द व जकड़न कम होने लगती है।

इसका प्रभाव:

दैनिक कार्यों में कठिनाई होना। नींद में बाधा उत्पन्न होना। हाथों की कार्यक्षमता कम होना। मानसिक तनाव और चिड़चिड़ापन रहना। लंबे समय तक काम करने में परेशानी महसूस होना।

सावधानियां :

भारी वजन उठाने से बचना चाहिए। कंधे को लंबे समय तक एक ही स्थिति में न रखा जावे। चिकित्सक की सलाह से नियमित व्यायाम करें। मधुमेह को नियंत्रित में रखें। अचानक झटके देने वाले कार्यों से बचें। दर्द होने पर पर्याप्त आराम करें।

बचाव:

नियमित व्यायाम करें। सही मुद्रा में हमेशा बैठें। चोट लगने पर समय पर ही उपचार कराएं। कंधे को सक्रिय रखें। काम करते रहें। मधुमेह और थायरॉयड जैसी बीमारियों पर नियंत्रण रखें।

होम्योपैथिक उपचार:

होम्योपैथिक दवाओं का चयन रोगी के लक्षणों, शारीरिक बनावट और प्रकृति के अनुसार किया जाता है। बिना चिकित्सकीय सलाह के दवा नहीं लेनी चाहिए।

कुछ प्रचलित होम्योपैथिक औषधियां-

रस टाक्स- आराम करने पर दर्द बढ़े और चलने-फिरने से राहत मिले।
ब्रायोनिया एल्बा- हलचल करने पर दर्द बढ़े। प्यास व कब्ज रहे।
सेंगूनेरिया केना- दाएं कंधे के दर्द में बहुत उपयोगी मानी जाती है।
फेरम मेट- कंधे की कमजोरी और दर्द में उपयोगी।
रुटा जी- स्नायु और लिगामेंट संबंधी दर्द में बहुत उपयोगी।
आर्निका मोन्टाना- चोट के बाद होने वाले दर्द में काफी उपयोगी।

कब तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें?

कंधे में अचानक बहुत तेज दर्द हो जावे तो चिकित्सक की राय लेनी चाहिए। हाथ में सुन्नपन या कमजोरी ज्यादा लगे तो। बुखार के साथ कंधे में सूजन बढे तो। चोट के बाद हाथ हिलाना मुश्किल हो जाए तो। ध्यान रखें कि फ्रोजन शोल्डर के उपचार में फिजियोथेरेपी, व्यायाम और मूल बीमारी (जैसे डायबिटीज) का उपचार अत्यंत महत्वपूर्ण है। केवल होम्योपैथिक दवाओं पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं माना जाता। ये सहायक होती हैं व जल्दी रोग को ठीक भी करती है।

(लेखक के निजी विचार है)

लांच हुई नई बीएमडब्ल्यू X1 लॉन्ग व्हीलबेस, कीमत 49.90 लाख रु.

गुरुग्राम, एजेंसी। बीएमडब्ल्यू इंडिया ने अपनी पॉपुलर X1 SUV का लॉन्ग-व्हीलबेस वर्जन लांच किया है। बीएमडब्ल्यू एमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के प्रेसिडेंट और CEO हरदीप सिंह बरार ने कहा कि यह नया मॉडल खास तौर पर उन ग्राहकों को टारगेट करता है जो रियर-सीट पर ज़्यादा स्पेस और आराम चाहते हैं, लेकिन एक SUV के प्रैक्टिकल फॉर्म फैक्टर से समझौता नहीं करना चाहते।

कीमत और वेरिएंट्स

बीएमडब्ल्यू इंडिया ने X1 लॉन्ग-व्हीलबेस को एक ही वेरिएंट sDrive 15Li, में पेश किया गया है, इसकी कीमत 49.90 लाख रुपए(एक्स-शोरूम) है। कंपनी ने लांच के दिन से ही इसकी डिलीवरी शुरू कर दी है। इस लांच के साथ, स्टैंडर्ड व्हीलबेस वाली X1 अब सिर्फ डीज़ल इंजन के साथ ही बेची जाएगी, जिससे पेट्रोल और डीज़ल ग्राहकों के लिए दोनों मॉडल्स के बीच एक स्पष्ट अंतर बन गया है।

मॉडर्न डिजाइन

नई X1 LWB का चेहरा पहली नज़र में ही बीएमडब्ल्यू की मॉडर्न डिज़ाइन लैंग्वेज को दर्शाता है। इसमें सबसे ज़्यादा ध्यान खींचने वाली चीज़ इसकी बड़ी और लगभग चौकोर किडनी ग्रिल है, जो इसे एक दमदार और मस्कुलर लुक देती है। ग्रिल पर सैटिन सिल्वर फिनिश दी गई है। ग्रिल के दोनों तरफ शार्प और स्लीक अडेप्टिव LED हेडलाइट्स हैं, जिनमें बीएमडब्ल्यू का सिग्नेचर ट्विन-इनवर्टेड 'L' शेप DRL पैटर्न दिया गया है। बंपर का डिज़ाइन भी काफी स्पोर्टी है, जिसमें वर्टिकल एयर वेंट्स, एक बड़ा सेंट्रल एयर डैम और शार्प लाइन्स हैं जो इसे एक अग्रेसिव स्टांस देती है।

फीचर

बीएमडब्ल्यू X1 LWB फीचर्स के मामले में काफी अच्छी तरह से लैस है। इसके सेंटर में 10.7-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम है, जो वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले को सपोर्ट करता है। साउंड एक्सपीरियंस को बेहतरीन बनाने के लिए इसमें 12-स्पीकर Harman Kardon का प्रीमियम ऑडियो सिस्टम दिया गया है। ड्राइवर के सामने 10.25-इंच का क्रिस्प और कस्टमाइज़ेबल डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर है। अन्य फीचर्स में ड्यूल-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल, मेमोरी फंक्शन के साथ पावर-एडजस्टेबल ड्राइवर सीट, पावर्ड टेलगेट, वायरलेस फोन चार्जर और एक बड़ा पैनोरमिक ग्लास रूफ शामिल हैं, जो कैबिन को हवादार और खुला-खुला महसूस कराता है।

पावरग्रिड के नए सीएफओ बने अमोल बाबूलाल तौरी

गुरुग्राम, एजेंसी। पावर ग्रिड

कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) ने अमोल बाबूलाल तौरी को कंपनी का मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) नियुक्त किया है। कंपनी के निदेशक मंडल ने बैठक में उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी। तौरी सीएफओ के साथ निदेशक (वित्त) की जिम्मेदारी भी संभालते रहेंगे। विद्युत मंत्रालय के आदेश के बाद उन्होंने निदेशक (वित्त) का पदभार ग्रहण किया था। अब बोर्ड ने उन्हें सीएफओ की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी औपचारिक रूप से सौंप दी है।

न्यूज गैलरी

रक्षा बंधन : रियल ने शुरू किया अभियान रियल ग्रीटिंग्स

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। इस रक्षाबंधन, डाबर इंडिया लिमिटेड के भारत के अग्रणी पैकेज्ड फ्रूट जूस एवं बेवरेज ब्रांड रियल ने अपने नवीनतम अभियान 'रियल ग्रीटिंग्स' के माध्यम से भाई-बहनों के उस खूबसूरत और अक्सर शब्दों में न व्यक्त हो पाने वाले रिश्ते का जश्न मनाया है। डाबर इंडिया लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट मार्केटिंग, मयंक कुमार ने कहा, इस अभियान के केंद्र में एक भावनात्मक डिजिटल फिल्म है, जो एक भाई और बहन के रिश्ते को उन छोटे-छोटे पलों के माध्यम से जीवंत करती है जो उनके बंधन को वास्तव में खास बनाते हैं। डाबर इंडिया लिमिटेड में जी.एम. मार्केटिंग, फूड्स एंड बेवरेजेज, सुश्री मोनिशा प्रशार ने कहा, रियल ग्रीटिंग्स' इन्हीं सच्ची भावनाओं और प्यार के खूबसूरत अभिव्यक्तियों का उत्सव है। इस अभियान के माध्यम से हम लोगों को अपने भाई-बहनों की अहमियत समझने, उनकी सराहना करने और उन भावनाओं को शब्द देने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं जो अक्सर अनकही रह जाती हैं।

डीएस ग्रुप की करौली में 'बायोगैस विलेज' पहल

करौली,समाचार जगत ब्यूरो। प्रमुख एफएमसीजी समूह और मल्टी-बिज़नेस कॉरपोरेशन, धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप), ने राजस्थान के करौली में क्लीन कुकिंग एनर्जी, टिकाऊ कृषि और जलवायु-अनुकूल ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के लिए "बायोगैस विलेज" पहल की घोषणा की है। इस पहल के तहत पहले चरण में 300 घरेलू बायोगैस इकाइयों की स्थापना में सहयोग दिया जाएगा, जिससे स्थानीय स्तर पर उपलब्ध गोबर को रिन्यूएबल कुकिंग फ्यूल में परिवर्तित किया जा सकेगा। डीएस ग्रुप में सस्टेनेबिलिटी और सीएसआर के जनरल मैनेजर श्री प्रभाकांत जैन ने कहा, "हमारे लिए, सस्टेनेबिलिटी का मतलब है ऐसे समाधान तैयार करना जो पीढ़ियों तक मूल्य प्रदान करें। डीएस ग्रुप की बायोगैस विलेज पहल ऊर्जा, कृषि, आजीविका और पर्यावरण संरक्षण को एक एकीकृत मॉडल में जोड़ती है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के रिटेल क्रेडिट कैंप में 72.50 करोड़ के ऋण स्वीकृत

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, जयपुर द्वारा आज जोनल ऑफिस, जयपुर में रिटेल क्रेडिट आउटरीच कैंप का सफल आयोजन किया गया। कैंप के दौरान विभिन्न रिटेल ऋण योजनाओं के अंतर्गत कुल 72.50 करोड़ रुपए के ऋण स्वीकृत किए गए तथा स्वीकृत ऋणों के Sanction Letters लाभार्थी ग्राहकों को वितरित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोहित कुमार, महाप्रबंधक, केंद्रीय कार्यालय ने उपस्थित ग्राहकों को संबोधित करते हुए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की विभिन्न रिटेल ऋण योजनाओं की जानकारी दी। अनिल कुमार, अंचल प्रमुख, जयपुर ने अपने संबोधन में ग्राहकों को बैंक की विभिन्न ऋण योजनाओं, प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों, सरल प्रक्रिया एवं ग्राहक-केंद्रित सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राजेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख, जयपुर ने उपस्थित ग्राहकों को जयपुर क्षेत्र में उपलब्ध बैंक की विभिन्न रिटेल ऋण सुविधाओं के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बैंक द्वारा ग्राहकों को त्वरित एवं सुगम ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ ऋण प्रक्रिया को अधिक ग्राहक-अनुकूल बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

पीएनबी और ओरिएंटल इंश्योरेंस के बीच एमओयू, कर्मचारियों को मिलेंगे विशेष सैलरी पैकेज लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (ओआईसीएल) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत थी ओआईसीएल के कर्मचारियों को पीएनबी के विशेष सैलरी पैकेज के तहत बैंकिंग सुविधाएं और कई अतिरिक्त लाभ उपलब्ध कराए जाएंगे। एमओयू पर पीएनबी के मुख्य महाप्रबंधक सुधीर दलाल और ओआईसीएल के महाप्रबंधक छोटू राम ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर पीएनबी के एमडी एवं सीईओ अशोक चंद्रा तथा ओआईसीएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजय जोशी मौजूद रहे। समझौते के तहत ओआईसीएल कर्मचारियों को बेहतर बैंकिंग सुविधाओं, मूल्यवर्धित सेवाओं और सैलरी पैकेज से जुड़ी विभिन्न सुविधाओं का लाभ मिलेगा। दोनों संस्थानों के बीच यह सहयोग कर्मचारियों को अधिक सुविधाजनक और व्यापक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

फर्जी मोबाइल एप से होने वाले साइबर फ्रॉड पर 210 टीमों ने खोजे समाधान

गुरुग्राम, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और आईआईटी जोधपुर के सहयोग से आयोजित 'फिनोवेशन-पीएसबी हैकाथॉन सीरीज 2026' का सफल समापन हुआ। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) की परिकल्पना और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के समन्वय में आयोजित इस पहल में देशभर के 36 संस्थानों की 210 टीमों ने हिस्सा लिया। हैकाथॉन में एसएमएस और व्हाट्सऐप के जरिए फैलाए जा रहे फर्जी मोबाइल ऐप से होने वाली फिशिंग और वित्तीय धोखाधड़ी की चुनौती पर समाधान विकसित किए गए। विजेता टीमों को गुरुग्राम में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया। समारोह में डीएफएस के अपर सचिव देवाशीष प्रस्ती, एसबीआई के प्रबंध निदेशक (आरबी एंड ओ) राम मोहन राव अमरा, आईबीए के मुख्य कार्यकारी अतुल कुमार गोयल और आईआईटी जोधपुर की डीन ऑफ स्टूडेंट अफेयर्स डॉ. अंकिता शर्मा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बीएसएनएल ने की उपभोक्ता शिक्षा कार्यशाला

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए उपभोक्ता शिक्षा कार्यशाला का आयोजन आज भारत संचार निगम लिमिटेड, जयपुर द्वारा किया गया। कार्यशाला का विषय "टेलीकॉम एवं ब्रॉडकास्टिंग में टैरिफ एवं बिलिंग" रहा।

खबरें जरा हटके

शख्स की चमकी किस्मत रातों-रात बदल गई जिंदगी, एक टिकट से मिला 13,357 करोड़ का इनाम

अमेरिका के इलिनोइस में एक शख्स की किस्मत ने ऐसी पलटी मारी कि कुछ ही मिनटों में उसकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई। बुधवार रात हुए पावरबॉल लॉटरी ड्रॉ में इस शख्स ने सभी छह विनिंग नंबर सही-सही मैच कर दिए और करीब 1.40 अरब डॉलर यानी लगभग 13,357 करोड़ रुपये का जैकपॉट अपने नाम कर लिया। खास बात यह है कि यह इस साल का अब तक का सबसे बड़ा पावरबॉल जैकपॉट है और लॉटरी के इतिहास में आठवां सबसे बड़ा इनाम भी है। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, बुधवार रात निकले ड्रॉ के विजेता नंबर 4, 26, 66, 67, 69 और लाल पावरबॉल नंबर 9 थे। इन सभी नंबरों का सही मिलान करने वाला सिर्फ एक टिकट सामने आया, जो इलिनोइस में बेचा गया था। यानी इस बार अरबों रुपये की पूरी जैकपॉट राशि एक ही विजेता के नाम हुई है।

एक झटके में बदल गई जिंदगी

अब इस लकी विजेता के सामने इनाम लेने के दो विकल्प हैं। वह चाहे तो पूरी 1.40 अरब डॉलर की रकम 29 साल तक सालाना किस्तों में ले सकता है। दूसरा विकल्प है कि वह तुरंत कैश पेमेंट ले ले। एकमुश्त भुगतान चुनने पर उसे करीब 450.5 मिलियन डॉलर यानी लगभग 4,291 करोड़ रुपये मिलेंगे। हालांकि, दोनों ही मामलों में अमेरिकी नियमों के मुताबिक इनामी राशि पर टैक्स लागू होगा। ऐसे में विजेता के हाथ में आने वाली वास्तविक रकम इससे कम होगी। इस जीत के साथ पावरबॉल जैकपॉट के लिए चल रहा लंबा इंतजार भी खत्म हो गया। इससे पहले 2 मई के बाद से किसी खिलाड़ी ने जैकपॉट नहीं जीता था। बुधवार का ड्रॉ लगातार 44वां ड्रॉ था, जिसमें खिलाड़ी करोड़ों डॉलर की उम्मीद लेकर टिकट खरीद रहे थे। आखिरकार इलिनोइस में बिके एक टिकट ने इस लंबे इंतजार पर ब्रेक लगा दिया। अमेरिका में हाल के वर्षों में अरबों डॉलर के लॉटरी जैकपॉट लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। पिछले साल ही दो बार पावरबॉल का जैकपॉट 1 अरब डॉलर से ऊपर पहुंचा था। इनमें क्रिसमस ईव पर मिला 1.18 अरब डॉलर का जैकपॉट भी शामिल है, जिसे अमेरिकी लॉटरी इतिहास के सबसे बड़े पुरस्कारों में गिना जाता है। इसके अलावा सितंबर 2025 में मिसौरी और टेक्सास में बिके दो टिकटों ने मिलकर 1.1787 अरब डॉलर का जैकपॉट जीता था। यह अमेरिका के इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा लॉटरी जैकपॉट था। फिलहाल इलिनोइस के इस नए करोड़पति का नाम सामने नहीं आया है, लेकिन एक बात तय है कि बुधवार रात खरीदा गया वह टिकट उसकी जिंदगी का सबसे कीमती टिकट साबित हुआ है।

इंसानियत अभी जिंदा है! 2 साल पहले खोया 24 हजार से भरा बैग, ईमानदार कंडक्टर ने ऐसे लौटाया

पब्लिक बस में सफर के दौरान अगर कोई जरूरी सामान या पैसे छूट जाएं, तो ज्यादातर लोगों को यही लगता है कि अब वह सामान शायद कभी वापस नहीं मिलेगा, लेकिन महाराष्ट्र में एक बस कंडक्टर की ईमानदारी ने इस सोच को गलत साबित कर दिया। उन्होंने न सिर्फ दो साल तक एक बुजुर्ग महिला का खोया हुआ सामान संभालकर रखा, बल्कि लगातार उसकी असली मालिक की तलाश भी करते रहे। आखिरकार किस्मत ने दोनों को फिर उसी बस रूट पर मिला दिया और महिला को उसका खोया हुआ बैग वापस मिल गया। यह मामला कसाबाई गायकवाड़ का है, जो साल 2024 में छत्रपति संभाजीनगर से वाशिम के बीच बस से सफर कर रही थीं। सफर के दौरान उनका एक बैग बस में ही छूट गया। इस बैग में करीब 24 हजार रुपये थे। इसके अलावा उसमें उनके कुछ जरूरी मेडिकल दस्तावेज भी रखे हुए थे। बस से उतरने के बाद जब उन्हें अपने बैग के बारे में पता चला, तब तक काफी देर हो चुकी थी।

वापस लौटाए 24 हजार

गायकवाड़ ने मान लिया कि उनका पैसा और जरूरी कागजात अब शायद कभी वापस नहीं मिलेंगे। उन्हें क्या पता था कि उनका बैग किसी ऐसे शख्स के हाथ लगा है, जो उसे लौटाने के लिए पूरी ईमानदारी से कोशिश कर रहा है। बस के कंडक्टर राजू वाणी को वह बैग मिला था। बैग मिलने के बाद उन्होंने उसे अपने पास रखने के बजाय तुरंत वाशिम बस डिपो में जमा करा दिया। लेकिन उनकी जिम्मेदारी यहीं खत्म नहीं हुई। वाणी लगातार उस महिला की तलाश करते रहे, जिसकी चीजें उनके हाथ लगी थीं। करीब दो साल तक उन्होंने बैग के सही मालिक को ढूंढने की कोशिश जारी रखी। इतने लंबे समय के बाद शायद किसी और ने उम्मीद छोड़ दी होती, लेकिन वाणी ने ऐसा नहीं किया। वह लगातार इस इंतजार में थे कि किसी दिन उस बैग की मालकिन तक सामान पहुंचाया जा सके। फिर एक दिन अचानक ऐसा मौका आया, जिसकी शायद दोनों ने कल्पना भी नहीं की थी। गायकवाड़ दोबारा उसी बस रूट पर सफर कर रही थीं और संयोग से उस बस में कंडक्टर राजू वाणी ही ड्यूटी पर थे। जैसे ही वाणी ने उन्हें पहचाना, दो साल से संभालकर रखा गया सामान आखिरकार अपनी असली मालिक तक पहुंच गया।

अपना खोया हुआ बैग, 24 हजार रुपये और जरूरी दस्तावेज दो साल बाद वापस पाकर गायकवाड़ की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने राजू वाणी की ईमानदारी और लगातार की गई कोशिशों की जमकर तारीफ की। गायकवाड़ ने उनकी ईमानदारी से प्रभावित होकर उन्हें सम्मान के तौर पर 1,100 रुपये भी दिए। यह कहानी सिर्फ खोए हुए पैसे वापस मिलने की नहीं है, बल्कि यह याद दिलाती है कि आज भी ऐसे लोग मौजूद हैं, जिनके लिए किसी और की चीज को सेफ उसके मालिक तक पहुंचाना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

कितना बेबस है इंसान...

साइन और सन्नाटा' भरोसा कागज पर लिखा और रिश्ता स्याही बनकर बह गया।

भाई- बहन का रिश्ता त्याग, ईमानदारी और विश्वास पर टिका होता है, जिसमें जरा भी खटास आ जाए तो दो परिवार तबाह हो जाते हैं। जिंदगी के धागे बर्बाद कर देते हैं। इस तरह की घटनाएं आम हो गई है। सच पूछो...कौन अपना कौन पराया...! किसी पर विश्वास करना मुश्किल हो गया है।

सीमा के साथ गुजरी यह घटना साल भर पुरानी है मगर,इसके घाव इस तरह सड़ गए हैं कि बदबू पीछा छोड़ने का नाम ही नहीं ले रही है। पीडिताः सीमा श्रीवास्तव। उम्र तीस साल। पढ़ी लिखी है। कामर्स में उच्च स्नातक किया है। अब अंग्रेजी विषय में डिग्री का कोर्स कर रही है। पहले वह नियमित स्टूडेंट थी।

मगर एक विदेशी बैंक की जयपुर की शाखा में सीनियर एनेलिस्ट है। उसके पिता जलदाय विभाग में अधिकारी रहे हैं। इन दिनों रिटायरमेंट की लाइफ गुजार रहे हैं। परिवार में इकलौता भाई है। मां का साया एक साल पहले ही छूट गया था। सीमा के पति रघुनंदन श्रीवास्तव है। वे एक प्राईवेट कंस्ट्रक्शन कंपनी में मैनेजर है। वेतन ठीक-ठाक है। इनका विवाहिक जीवन आराम से गुजर रहा है।

खुद का मकान है। एक बेटी स्वीटी ने अभी स्कूल जाना शुरू किया है। सीमा की लाइफ के चुनौतीपूर्ण दिनों की शुरुआत उसके हसबैंड की बीमारी से शुरू होते हैं। उन्हें ब्लड प्रेशर था। मगर उसमें उतार-चढाव बहुत होता था। इस पर कई चिकित्सक की बदले, मगर संतुष्टि नहीं मिली। तभी किसी ने सलाह दी, जेएलएन मार्ग पर एक सीनियर चिकित्सक,मैडिसीन में प्रोफेसर की क्लिनिक है। उसे दिखाओ।

कम से कम यह तो पता चले कि आपके हैल्थ की समस्या क्या है। सीमा ने अगले दिन ही टाइम ले लिया। डाक्टर साहब ब्लड के दो-तीन टेस्ट लिखे थे। बीमारी पकड़ में आ गई । श्रीवास्तव जी को थाइराइड का कैंसर था।

वह भी चौथी स्टेज में। पूरा परिवार टेंशन में आ गया। लोगों ने सलाह दी, टाटा कैंसर होस्पिटल बेस्ट है। सस्ता है। डाक्टर भी अच्छे नामी गिरामी है। मगर फिर भी वहां का खर्च कम से कम दस-पंद्रह लाख कम से कम है। मगर इस ईलाज में पैसों की सीमा नहीं है।

किया क्या जाए?

सीमा के ससुर जी ने अपनी बचत की थैली खोल दी। रिश्तेदारों में कुछ ने मदद की पेशकश की। लेकिन इसके बाद भी, ज्यादा नहीं तो पांच सात रूपये, और चाहिए...! तभी विचार आया कि भैया से मदद ली जाए। प्रोपर्टी का बंटवारा, कुछ माह पहले ही हो गया था। बस कागजी कार्यवाही चल रही थी।

मगर कुछ समस्या थी। भैया ही कुछ कर रहा था। सीमा वहां पहुंची। मगर उसके मन में मेल था। पहले टालम टोल करता रहा। फिर बोला की हमारा केस प्रोसिस में है। कुछ कागजातो पर तेरे सिग्नेचर बाकी है। यह फॉर्मलटी पूरी ही जायेगी तो तेरी समस्या दूर हो जायेगी। तब तक दस हजार रुपए दे कर उसे टरका दिया।

सात दिन गुजर गए। भैया की और से कोई रिस्पॉन्स नहीं आया। फोन रिसीव करना बंद कर दिया। मगर, बुजुर्ग कहते हैं,कागज पर साइन से रिश्ता नहीं टूटता, रिश्ते पर लात से कागज जल जाते हैं।' यह पंक्तियां बहुत सख्त लहजे में कहीं गई है। मगर सत्य है। सीमा के परिवार की कहानी है। सीमा की लाचारी के समाचार मौहल्ले और रिश्तेदारी में फ़ैल गये।

वकील की सलाह : प्रॉपर्टी के कागज वकील से चेक करवाए बिना साइन न करें। मगर फंस गई भोली-भाली बहन सीमा जी। मामा ने कहा - रबहन, दस्तखत कर दे कागजों पर, मैं घर संभाल लूंगारु। बहन ने कर दिए।

6 महीने बाद पता चला, पिता की प्रोपर्टी में घाला-मेली हुई है। बड़ा हंगामा मचा। मगर भैया ने बेईमानी की सीमा पार कर दी थी। दूसरी ओर सीमा पर आफत का पहाड़ टूट पड़ा। पैसों के चक्कर में उसके पति का ईलाज ठीक से नहीं हुआ।

एक माह में ही उनकी मौत हो गई। पीहर का हाल...किराए का कमरा, 10 हजार किराया, और आंगन में 8 साल की बेटी का सवाल - रम्मम्मी, हमारा घर कहां गया?र कोर्ट-कचहरी, वकील, तारीखें। रिश्तेदार मुंह फेर गए। कहने लगे.. पर्सनल मैटर है। हम क्यों बोले। सिंधारा त्योहार पर थाली में मिठाई नहीं, फाइलें थीं। धोखा एक घर का नहीं था। सामाजिक रिश्तों में जंग लग चुकी है।अब उस घर में ताले हैं, और परिवार में सन्नाटा। भरोसा कागज पर लिखा और रिश्ता स्याही बनकर बह *गया।

समय के साथ क्यों छोटे होते जा रहे हैं सिक्के?

कभी साइज था इतना बड़ा, अब आकार हुआ पिद्दी-सा!

भारत में मुद्रा दो रूपों में चलती है- कागजी नोट और धातु के सिक्के। दोनों का अपना महत्व है। नोट बड़ी रकम के लेन-देन के लिए सुविधाजनक होते हैं जबकि सिक्के छोटी रकम, वेंडिंग मशीनों और रोजमर्रा के छोटे खर्चों के लिए जरूरी माने जाते हैं। लेकिन अगर आपने पुराने सिक्कों को ध्यान से देखा हो तो एक बात साफ नजर आएगी। समय के साथ सिक्कों का आकार लगातार छोटा होता चला गया है। कभी जो सिक्के हथेली में भारी और बड़े लगते थे आज वे पिद्दी जैसे हो गए हैं। आखिर ऐसा क्यों हुआ? इसकी असली वजह सिर्फ डिजाइन बदलना नहीं बल्कि गहरी आर्थिक और व्यावहारिक जरूरतें हैं। आज हम आपको इसका कारण एक्सप्लेन करने जा रहे हैं।

क्यों छोटा हुआ सिक्के का साइज?

पुराने समय के सिक्कों को याद करें तो एक रुपया, 50 पैसे या दो रुपये के सिक्के काफी बड़े और वजनदार होते थे। पीतल, निकेल या तांबे की मिश्र धातु से बने ये सिक्के देखने में भी अलग लगते थे। आज के दस रुपये और बीस रुपये के सिक्के उनके मुकाबले काफी छोटे और हल्के हैं। Reserve Bank of India और भारत सरकार समय-समय पर सिक्कों के आकार, वजन, धातु

और डिजाइन में बदलाव करती रहती है। ये बदलाव मनमाने नहीं होते बल्कि कई महत्वपूर्ण कारकों पर आधारित होते है। सबसे बड़ी वजह है धातु की बढ़ती कीमत। सिक्के बनाने में तांबा, निकेल, स्टील, जिंक जैसी धातुओं का इस्तेमाल होता है। पिछले कुछ दशकों में इन धातुओं की अंतरराष्ट्रीय कीमतें काफी बढ़ी हैं। अगर सिक्के का आकार और वजन बड़ा रखा जाए तो उसमें लगने वाली धातु की लागत उसके अंकित मूल्य यानी फेस वैल्यू से ज्यादा हो सकती है। ऐसी स्थिति में लोग सिक्कों को पिघलाकर धातु बेचने लग सकते हैं जिससे मुद्रा प्रणाली को नुकसान पहुंचता है। इसलिए उत्पादन लागत को फेस वैल्यू से काफी कम रखने के लिए आकार और वजन कम किया जाता है।

लिया समझदारी भरा फैसला

मुद्रास्फीति यानी महंगाई भी इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण कारण है। समय के साथ चीजों की कीमतें बढ़ती हैं और छोटी रकम के लिए भी ज्यादा मूल्य के सिक्कों की जरूरत पड़ने लगती है। पहले एक या दो रुपये के सिक्के काफी चलते थे। अब दस और बीस रुपये के सिक्के आम हो गए हैं। बड़े मूल्य के सिक्के अगर पुराने बड़े आकार में बनाए जाएं तो धातु की खपत बहुत ज्यादा हो जाएगी। छोटे आकार में बनाकर सरकार उत्पादन लागत बचाती है और साथ ही सिक्कों को आसानी से ले जाने योग्य भी रखती है। व्यावहारिक सुविधा भी ध्यान में रखी जाती है। बड़े और भारी सिक्के जेब में ले जाना असुविधाजनक होता है। वेंडिंग मशीनों, पार्किंग मीटरों, टोल प्लाजा और अन्य स्वचालित मशीनों के लिए भी एक समान और छोटा आकार बेहतर काम करता है। आरबीआई और मिंट्स यानी टकसालों को उत्पादन प्रक्रिया को कुशल बनाना होता है। छोटे सिक्कों को ढालना, स्टोर करना और ट्रांसपोर्ट करना अपेक्षाकृत आसान और सस्ता पड़ता है।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम में बोले अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डॉ. हवा सिंह

जयपुर,समाचार जगत न्यूज. अपेक्स यूनिवर्सिटी, अचरोल में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत के लिए 'उड़ान-2026' ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डॉ. हवा सिंह घुमरिया ने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि जीवन में सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। निरंतर मेहनत, अनुशासन, सकारात्मक सोच और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की असली कुंजी है। उन्होंने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों से चुनौतियों से घबराने के बजाय उनसे सीख लेकर निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया। डॉ. हवा सिंह ने युवाओं को नशे से दूर रहने की सलाह देते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति के जीवन को प्रभावित नहीं करता, बल्कि परिवार, समाज और देश के भविष्य को भी नुकसान पहुंचाता है। इस अवसर पर अपेक्स यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर वेदांशु जूनीवाल के अलावा विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट प्रो. रघुवीर सिंह ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय कैडेट कोर , राष्ट्रीय सेवा योजना , छात्र कल्याण प्रकोष्ठ (, संस्थान नवाचार परिषद एवं इनक्यूबेशन केंद्र सांस्कृतिक गतिविधियों तथा विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे विभिन्न अवसरों की जानकारी दी।

सौभाग्य दशमी पर जैन मंदिरों में पूजा विधान, महिलाओं ने रखे व्रत-उपवास

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों ने शनिवार को सौभाग्य दशमी का पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया। इस अवसर पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक आयोजन हुए। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार सौभाग्य दशमी को सुहाग दशमी भी कहा जाता है। श्रावण शुक्ला दशमी पर महिलाओं ने पति की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य, परिवार की सुख-समृद्धि तथा पुत्र रत्न की प्राप्ति की कामना से व्रत एवं उपवास किए। दिगम्बर जैन मंदिरों में जैन धर्म के दसवें तीर्थंकर भगवान शीतलनाथ एवं सौभाग्य दशमी व्रत की अष्ट द्रव्य से पूजा की गई। चित्रकूट कॉलोनी सांगानेर स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य विशद सागर महाराज एवं मुनि विशाल सागर महाराज के सानिध्य में णमोकार विधान और सौभाग्य दशमी पूजा विधान हुआ। श्योपुर प्रतापनगर निवासी दिव्या बाकलीवाल के नेतृत्व में देवशास्त्र गुरु, आदिनाथ भगवान, देहरे वाले चंदप्रभु भगवान, शीतलनाथ भगवान, महावीर भगवान, सौभाग्य दशमी पूजा एवं कथा तथा निर्वाण क्षेत्र की पूजा की गई। मंत्रोच्चार के साथ 14 भगवानों के अर्घ चढ़ाए गए। इस दौरान दिव्या बाकलीवाल, अनुश्री, सोनल, तन्वी, आयुषी, पारुल, प्रियांगिनी, शिवानी, सुरभि, निकिता जैन सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। जनकपुरी के श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, सांगानेर के संघीजी दिगम्बर जैन मंदिर और तारों की कूट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भी महिलाओं ने पूजा-अर्चना कर व्रत की कथा का वाचन किया। महाआरती के बाद आयोजन का समापन हुआ। महिलाओं ने चातुर्मास स्थलों पर पहुंचकर आचार्य, मुनियों एवं आर्यिका माताजी के मंगल प्रवचन सुने तथा आशीर्वाद प्राप्त किया।

28 अगस्त को रक्षाबंधन

राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के मुताबिक शुक्रवार, 28 अगस्त को रक्षा बंधन एवं जैन धर्म के ग्यारहवें तीर्थंकर भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया जाएगा। श्रावक जिनवाणी एवं साधु-संतों तथा आर्यिका माताजी की पिच्छिका को रक्षा सूत्र बांधकर धर्म, जिनवाणी और दिगम्बर जैन संतों की रक्षा का संकल्प लेंगे। इसी दिन मुनि विष्णु कुमार की पूजा भी होगी। शहर के सभी 15 चातुर्मास स्थलों पर विशेष आयोजन किए जाएंगे।

न्यूज गैलरी

जयपुर के डॉ. रवि बापना बने अमेरिकी विश्वविद्यालय के डीन

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। जयपुर के मूल निवासी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा एनालिटिक्स व डिजिटल परिवर्तन के अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान डॉ. रवि बापना को अमेरिका की प्रतिष्ठित सांता क्लारा यूनिवर्सिटी में डीन नियुक्त किया गया है। वे 1 सितंबर 2026 से कार्यभार संभालेंगे। इससे पहले वे मिनेसोटा यूनिवर्सिटी के कार्लसन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में संयुक्त डीन रहे हैं। नए पद पर वे लीवी स्कूल ऑफ बिजनेस के शैक्षणिक कार्यक्रमों और एमबीए शिक्षा का नेतृत्व करेंगे। डॉ. बापना ने बिजनेस एनालिटिक्स व कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस से भी जुड़े रहे हैं। हीराबाग के बापना परिवार से जुड़े डॉ. बापना के दादा स्वर्गीय कंवरलाल बापना, राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, तथा पिता स्वर्गीय डॉ. जवाहर सिंह बापना, औषध विज्ञान के प्रख्यात प्रोफेसर रहे। उनकी माता उषा बापना गृहिणी हैं। उनकी पत्नी सोफिया बापना, बिजनेस एनालिटिक्स विशेषज्ञ, को भी सांता क्लारा यूनिवर्सिटी में नियुक्ति मिली है।

मिशन में प्रतिनिधियों ने जाना मैन्युफैक्चरिंग में बेहतरीन तरीका

जयपुर,समाचार जगत न्यूज. सीआईआई जस्थान ने चेन्नई के लिए एक दो दिवसीय 'मैन्युफैक्चरिंग एक्सीलेंस मिशन' आयोजित किया। मिशन में प्रमुख कंपनियों के 10 से ज़्यादा प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और बीएमडब्ल्यू, ह्यूंडई, इसूज़ु व जेडएफ जैसी मशहूर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स का दौरा किया। मिशन का फोकस मैन्युफैक्चरिंग में बेहतरीन तरीकों, प्रोसेस को बेहतर बनाने, क्वालिटी मैनेजमेंट, ऑटोमेशन, लीन मैन्युफैक्चरिंग और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी को अपनाने को समझने पर था।दौरों के दौरान, हिस्सा लेने वाले प्रतिनिधियों ने इंडस्ट्री लीडर्स और टेक्निकल टीमों से बातचीत की और यह जाना कि ग्लोबल स्तर पर बेहतरीन मानी जाने वाली कंपनियाँ अपने मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशन्स को कैसे मैनेज करती हैं। इस अनुभव से प्रतिभागियों को कुशल प्रोडक्शन सिस्टम, वर्कप्लेस के तरीकों, क्वालिटी स्टैंडर्ड्स, सप्लाई-चेन इंटीग्रेशन और लगातार सुधार की पहलों को समझने में मदद मिली।सीआईआई राजस्थान के सीनियर डायरेक्टर और हेड नितिन गुप्ता ने बताया कि चेन्नई के लिएसीआईआईराजस्थान का मैन्युफैक्चरिंग एक्सीलेंस मिशन इंडस्ट्री लीडर्स के लिए वर्ल्ड-क्लास मैन्युफैक्चरिंग तरीकों का सीधा अनुभव करने का एक शानदार मंच था। इन दौरों से मिली सीख हिस्सा लेने वाली कंपनियों को अपनी ऑपरेशनल क्षमताओं को मजबूत करने, प्रोडक्टिविटी और क्वालिटी बढ़ाने और ग्लोबल स्तर पर बेहतरीन मैन्युफैक्चरिंग तरीकों को अपनाने की गति तेज करने में मदद करेगी।

कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम पर व्याख्यान

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, राज्य इकाईः राजस्थान के तत्वावधान में महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न निवारण अधिनियम एवं शी-बॉक्स पोर्टल विषय पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. शैबाल घोष, अपर महानिदेशक एवं विभागाध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि विशाल व. साखरे, उप महानिदेशक, राज्य इकाईः राजस्थान, प्रियंका, निदेशक एवं श्रद्धा ननावरे, निदेशक उपस्थित रहीं। अतिथि व्याख्याता आंचल अकेला ने अधिनियम के प्रावधानों, लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम, शिकायत निवारण प्रक्रिया और आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका की जानकारी दी। उन्होंने शी-बॉक्स पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया भी समझाई। डॉ. शैबाल घोष ने सुरक्षित और सम्मानजनक कार्यस्थल को सामूहिक जिम्मेदारी बताया, जबकि विशाल व. साखरे ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों में अधिनियम के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया।

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान में जैन सोशल ग्रुप कैपिटल की सार्थक पहल

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। जैन सोशल ग्रुप कैपिटल द्वारा सेवा सप्ताह के अंतर्गत रामबाग सर्किल पर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य वाहन चालकों एवं आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित यातायात के लिए आवश्यक सावधानियों का संदेश जन-जन तक पहुंचाना रहा। ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं अध्यक्ष राज कुमार काला ने बताया कि इस मौके पर जैन सोशल ग्रुप कैपिटल के दंपत्ति सदस्यों ने सड़क सुरक्षा से संबंधित बैनर एवं पोस्टरों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया। अभियान के दौरान रेड लाइट पर निर्धारित स्टॉप लाइन पर वाहन रोकने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, हेलमेट का अनिवार्य उपयोग करने, पैदल यात्रियों को जेब्रा क्रॉसिंग पर प्राथमिकता देने, एम्बुलेंस एवं फायर ब्रिगेड जैसे आपातकालीन वाहनों को रास्ता देने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करने, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने तथा यातायात नियमों का पूर्ण पालन करने जैसे महत्वपूर्ण संदेश दिए गए। कार्यक्रम में यातायात पुलिस का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात दक्षिण सुनीता मीणा, एसीपी/डीवाईएसपी ट्रैफिक मुकेश कुमार, ट्रैफिक इंस्पेक्टर इंद्रा अहलावत, ट्रैफिक एजुकेशन इंस्पेक्टर राम कुमार मीणा, हेड कांस्टेबल प्रेम सिंह, जयवीर एवं सीताराम सहित यातायात पुलिस के अनेक अधिकारियों ने अभियान में सहभागिता निभाई। जैन सोशल ग्रुप कैपिटल के अध्यक्ष राज कुमार संतोष काला ने अभियान में पधारे सभी पुलिस अधिकारियों, यातायात पुलिस टीम, नॉर्दर्न रीजन चेयरमैन राजीव पाटनी एवं संस्थापक अध्यक्ष सुभाष-शकुंतला पांड्या एवं दंपत्ति सदस्यों एवं आमजन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा केवल यातायात पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। थोड़ी सी सावधानी और यातायात नियमों का पालन किसी के जीवन को बचा सकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जैन सोशल ग्रुप कैपिटल भविष्य में भी जनसेवा, जनजागरूकता एवं समाजहित से जुड़े अभियानों में निरंतर सक्रिय सहभागिता निभाता रहेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी सहभागियों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई तथा आभार व्यक्त करते हुए अभियान का समापन हुआ।

राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना में 6 से अधिक उद्योगों को मिला अनुदान

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। अतिरिक्त मुख्य सचिव, उद्योग एवं वाणिज्य शिखर अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना की बैठक में 6 से अधिक उद्यमों को एसेट क्रिएशन इन्सेन्टिव, ग्रस्ट बूस्टर, ब्याज अनुदान, विद्युत शुल्क में छूट, ग्रीन इन्सेन्टिव जैसे विविध परिलाभ स्वीकृत किए गए है। इनमें 580 करोड़ रूपये वास्तविक निवेश तथा 1699 का रोजगार सृजन हुआ है, जो कि योजना के सफल क्रियान्वयन का प्रत्यक्ष उदाहरण है। राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना राज्य में औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके तहत मैन्युफैक्चरिंग, सर्विसेज सहित ग्रीन इन्वेस्टमेंट, एक्सपोर्ट प्रमोशन व ट्रेनिंग एण्ड रिस्किलिंग के लिए व्यापक परिलाभों के माध्यम से उद्योगों को संबल प्रदान किया जाता है। इसके लिए योजना अंतर्गत राज्य स्तर पर 25 करोड़ से आधिक निवेश करने वाले उद्यमों को राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति द्वारा पात्रता अनुसार विभिन्न परिलाभ स्वीकृत किए जाते हैं। इससे राज्य में निवेश प्रोत्साहन, रोजगार सृजन व आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा तथा नए उद्यमों को राज्य में निवेश करने के लिए संबल मिलेगा। योजना अंतर्गत पात्र उद्यमों को अनुदान स्वीकृति की सरल व समयबद्ध डिजिटल प्रक्रिया राज्य में औद्योगिक विकास के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को प्रमाणित करती है।

राजस्थान ब्यूरोक्रेसी ....(शेष 1 का शेष)

से सहायक कलेक्टर भादरा के पद पर पोस्टिंग दी गई है। कार्मिक विभाग द्वारा जारी इस आदेश में आगामी प्रस्तावित शहरी स्थानीय निकाय और पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों का हवाला देते हुए सभी स्थानांतरित अधिकारियों को बिना किसी कार्यग्रहण काल या अवकाश का उपयोग किए तुरंत प्रभाव से अपने नए पदों पर कार्यभार संभालने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

जेईसीआरसी में 'परिचय 2026' का भव्य समापन

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। जेईसीआरसी में तीन दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम "परिचय 2026" का तीसरा एवं अंतिम दिन उत्साह, प्रेरणा और उपलब्धियों से भरपूर रहा। अंतिम दिन 1600 से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता रही। कार्यक्रम में संस्थान के गणमान्य अतिथियों, शिक्षकों, पूर्व छात्रों और विद्यार्थियों की उपस्थिति ने इसे यादगार बना दिया। प्रोफेसर विक्टर गंभीर, प्रेसिडेंट, जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी ने संस्थान के शैक्षणिक विस्तार की जानकारी देते हुए बताया कि जेईसीआरसी अब 11 स्कूलों और 27 विभागों तक पहुंच चुका है। मुख्य अतिथि मेजर जनरल रोहित मेहरोत्रा ने विद्यार्थियों को नेतृत्व, अवसर और जीवन में दृढ़ता के महत्वपूर्ण सूत्र बताए। एलुमनाई पैनल में रितुकर विजय, 2007 बैच, संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा विपुल सैनी, 2010 बैच, उप कमांडेंट, सीआईएसएफ ने विद्यार्थियों से संवाद किया। तीन दिवसीय कार्यक्रम में नवागंतुकों को शैक्षणिक व्यवस्था, करियर, नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास से परिचित कराया गया।

विद्याश्रम प्रताप नगर में संवाद, तर्क और अभिव्यक्ति का सशक्त संगम

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम, प्रताप नगर, जयपुर में कैलिडोस्कोप और वोक्स पोपुली इंटर-स्कूल डिबेट, कला एवं खेल समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता, रचनात्मक प्रतिभा तथा खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। समारोह का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या डॉ. योजना शर्मा के स्वागत उद्बोधन से हुआ। इसके पश्चात विशेष अतिथि एवं विद्यालय के पूर्व छात्र आर्यन चेतिवाल, आईआरटीएस ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

प्रवर्तन निदेशालय की जयपुर में छापेमारी

गरीब बच्चों को शिक्षा के नाम पर जुटाया विदेशी दान

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय की जयपुर क्षेत्रीय इकाई ने शुक्रवार को मालवीय नगर के झालाना क्षेत्र में एक स्कूल संचालक के दो ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई शुरू की है। कार्रवाई झालाना कच्ची बस्ती स्थित निरंजन पब्लिक स्कूल संचालक और प्रिंसिपल के ठिकानों पर हुई। ईडी के पास सूचना पहुंची की स्कूल संचालक ने गरीब बच्चों की शिक्षा के नाम पर विदेशों से दान के रूप में पैसा एकत्र किया और इसमें विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम-फेमा की अनदेखी की।विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रवर्तन निदेशालय के पास निरंजन पब्लिक स्कूल संचालक और प्रिंसिपल रवि पहाड़िया के अमेरिका और ब्रिटेन से करीब दो करोड़ 25 लाख रुपए प्राप्त करने की जानकारी मिली थी।

प्राथमिक जांच में इस राशि की अधिकारिक घोषणा का अभाव पाया गया तो ईडी की जयपुर क्षेत्रीय इकाई ने मामला दर्ज कर शुक्रवार दोपहर से कार्रवाई शुरू की, जो देर रात तक जारी है।

कार्रवाई के दौरान अधिकारियों के हाथ अनेक दस्तावेज भी लगे हैं, जिनके विश्लेषण के बाद कुछ नए खुलासे भी हो सकते हैं।

निम्मू-पदम ....(शेष 1 का शेष)

सैन्य आवाजाही के लिए यह विकल्प बेहद अहमः सैन्य आवाजाही के लिए यह अतिरिक्त विकल्प बहुत अहम है। बेहतर सड़क संपर्क से सैनिकों, साजो-सामान और जरूरी चीजों की तेजी से आवाजाही हो सकती है। साथ ही ऊंचाई वाले इलाकों में तैनात सैन्य टुकड़ियों के लिए लॉजिस्टिक्स चेन भी मजबूत हो सकती है। ऐसे इलाके में जहां मौसम, ऊबड़-खाबड़ जमीन और दूरी की वजह से अक्सर ट्रांसपोर्ट में दिक्कतें आती हैं, वहां पहुंचने के लिए अतिरिक्त रास्ते एक बड़ा ऑपरेशनल फायदा देते हैं। डीजीबीआर की बीआरओ कर्मयोगियों के साथ बातचीत ने उन लोगों की ओर भी ध्यान खींचा जो बेहद मुश्किल इलाकों में इन प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। भारत के सबसे मुश्किल और रणनीतिक रूप से अहम इलाकों में भरोसेमंद कनेक्टिविटी देने के बीआरओ के मिशन में उनकी लगातार कोशिशें अहम भूमिका निभाती हैं।

इस सड़क के बनने से होंगे फायदेः इस सड़क का असर इस रास्ते पर पड़ने वाले दूर-दराज के इलाकों में आम लोगों की जिंदगी पर भी सीधे तौर पर पड़ने की उम्मीद है। बेहतर पहुंच से स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बाजार और दूसरी जरूरी सेवाओं तक पहुंचना आसान हो सकता है। साथ ही, उन इलाकों में पर्यटन और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों के मौके भी खुल सकते हैं जो मुश्किल जमीन और खराब मौसम की वजह से लंबे समय तक कटे रहते थे।

ट्रम्प ने कनाडा ....(शेष 1 का शेष)

की कि कनाडा भी बराबर का जवाब यानी डॉलर के बदले डॉलर देते हुए समान टैरिफ लागू करेगा। यह फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के बयान के ठीक बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका को कनाडा के साथ समझौता करना चाहिए। प्रधानमंत्री कार्नी के अनुसार, हालिया बातचीत में प्रगति के बावजूद कनाडा के मुख्य उद्देश्य पूरे नहीं हो पा रहे थे। इन प्राथमिकताओं में कनाडाई व्यवसायों के लिए टैरिफ-मुक्त पहुंच हासिल करना, प्रमुख उद्योगों पर अमेरिकी टैरिफ घटाना और छोटे व मध्यम आकार के व्यवसायों की सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल था।

नितिन नवीन ....(शेष 1 का शेष)

नितिन नवीन आज दोपहर में बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, प्रदेश अध्यक्षों और प्रदेश प्रभारियों के साथ भी बैठक करेंगे। नवीन ने भाजपा अध्यक्ष बनने के 209 दिन बाद, 17 अगस्त को 65 सदस्यीय कार्यकारिणी का ऐलान किया था। इनमें 51 नए चेहरे शामिल हैं। इसमें 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और 8 राष्ट्रीय महासचिव हैं। नवीन के अध्यक्ष बनने के बाद यह पहला बड़ा संगठनात्मक फेरबदल है। गौरतलब है कि नई टीम में स्मृति ईरानी और राम माधव की वापसी हुई है। वहीं, वसुंधरा राजे, बैजयंत पांडा और तीरथ सिंह रावत जैसे अनुभवी नेताओं को भी अहम जिम्मेदारियां मिली हैं। विनोद तावड़े, सुनील बंसल और अनुराग ठाकुर को राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और बीएल संतोष को संगठन महासचिव की जिम्मेदारी पर बरकरार रखा गया है। युवा मोर्चा की कमान हेमांग जोशी को दी गई है। वहीं, अमित मालवीय की जगह दीपक म्हास्के को BJP IT सेल की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, तेजस्वी सूर्या की जगह हेमांग जोशी को युवा मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया है। यह फेरबदल 2015 के बाद बीजेपी में इतने बड़े स्तर पर हुआ पहला संगठनात्मक बदलाव है।

जेकेके में सजा फोटोग्राफी का महाकुंभ, फोटो और पेंटिंग का हुआ संगम, बोले डीजीपी शर्मा

फोटोग्राफी है भाव व कहानी को सहेजने की कला

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर राजस्थान फोटो फेस्टिवल के तहत जवाहर कला केंद्र की सहभागिता में आयोजित 'नजर फोटो एवं पेंटिंग एग्जीबिशन' के पांचवें सीजन का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय यह प्रदर्शनी 21 से 23 अगस्त तक आयोजित की जा रही है, जिसमें देश-विदेश के विभिन्न स्थानों के साथ राजस्थान की संस्कृति, प्रकृति, वन्यजीवन और जनजीवन से जुड़ी चुनिंदा तस्वीरों के साथ पेंटिंग्स भी प्रदर्शित की गई हैं। प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने फीता खोलकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदर्शनी में प्रदर्शित तस्वीरों और पेंटिंग्स का अवलोकन किया तथा फोटोग्राफर्स और कलाकारों के कलाकौशल एवं रचनात्मक दृष्टिकोण की सराहना की। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि फोटोग्राफी केवल तस्वीर खींचने की कला नहीं, बल्कि किसी क्षण, भाव और कहानी को सहेजने का माध्यम है। ऐसी प्रदर्शनियां कलाकारों की रचनात्मकता को सामने लाने के साथ समाज को अलग-अलग दृष्टिकोणों से देखने का अवसर देती हैं। 'नजर' प्रदर्शनी में फोटोग्राफी और पेंटिंग का सुंदर संगम देखने को मिल रहा है। उन्होंने विशेष रूप से प्रकृति और वन्यजीवन से जुड़ी तस्वीरों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी तस्वीरें लोगों को पर्यावरण और प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस मौके पर रिटायर्ड आईएएस पवन अरोड़ा ने कहा कि 'नजर' जैसी प्रदर्शनियां कला और फोटोग्राफी से जुड़े लोगों को अपनी रचनात्मकता साझा करने का बेहतरीन मंच देती हैं। तस्वीरों में केवल दृश्य नहीं, बल्कि फोटोग्राफर की सोच, संवेदना और उस क्षण को देखने का नजरिया भी दिखाई देता है।

वन्यजीवन की झलक ने मनमोहा

प्रदर्शनी में आईएएस डॉ. जितेंद्र सोनी, आईएफएस अरिजीत बनर्जी, पुलिस मुख्यालय के अतिरिक्त निदेशक (प्रचार) एवं वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर डॉ. कमलेश शर्मा की वाइल्डलाइफ सहित विभिन्न विषयों पर आधारित तस्वीरें भी प्रदर्शित की गई हैं। इनके अलावा जयपुर एवं राजस्थान के जाने-माने फोटो जर्नलिस्ट, वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर, प्रशासनिक अधिकारी, चिकित्सक, विद्यार्थी तथा पेंटिंग आर्टिस्ट भी अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों के साथ शामिल हुए हैं। इस अवसर पर आईएफएस अरिजीत बनर्जी सहित बड़ी संख्या में कलाप्रेमी एवं फोटोग्राफी प्रेमी मौजूद रहे। अतिथियों ने प्रदर्शनी में शामिल तस्वीरों और पेंटिंग्स की सराहना करते हुए कलाकारों के प्रयासों की प्रशंसा की।

कैसा होना चाहिए रवि किशन की बेटी का पार्टनर? रीवा ने डेटिंग को लेकर बताई अपनी पसंद

भोजपुरी सुपरस्टार और पॉलिटिशियन रवि किशन की बेटी रीवा किशन ने बताया है कि डेटिंग अभी उनकी प्रायोरिटी लिस्ट में नहीं है। हाल ही में रियलिटी शो 'अलायंस' में हिस्सा लेने वाली अभिनेत्री ने कहा कि वह अपनी जिंदगी के इस पड़ाव पर अपने परिवार और करियर पर ज्यादा फोकस कर रही हैं। हालांकि, जब उनसे पूछा गया कि किसी को उनका दिल जीतने के लिए क्या चाहिए, तो रीवा ने मजेदार जवाब दिया। जब रीवा से पूछा गया कि क्या वह अपने किसी फैन को डेट करने के लिए तैयार हैं? इस पर रीवा ने फिल्मीज्ञान को बताया कि वह डेटिंग वाले फेज में नहीं हैं। उनके मुताबिक उन्हें नहीं लगता कि वह डेटिंग और इन सब चीजों में पड़ना चाहती हैं। रीवा ने आगे बताया कि वह परिवार और काम के बारे में ज्यादा सोचती हैं। उन्होंने कहा कि अगर कभी कोई पार्टनर मिल गया, तो ठीक है। उनके मुताबिक डेटिंग अभी उनके हिसाब से बिल्कुल भी सही नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि किसी की कौन सी खूबियां उनका दिल जीत सकती हैं? तो रीवा ने अपने पिता को बातचीत में शामिल कर लिया। उन्होंने कहा 'माई गॉड, आपको पापा की इजाजत लेनी पड़ेगी। पापा की इजाजत के बिना कुछ नहीं होता इस घर में, ये जान लो। अगर अच्छा खाना बनाना आता हो, शुद्ध शाकाहारी खाना बना सको, तो शायद सोचा जा सकता है।

डिस्कवरी की डॉक्यू-सीरीज़ 'डीक्लासिफाइड: ऑपरेशन सिंदूर' में पहली बार एक साथ नज़र आए भारत के शीर्ष सैन्य और राष्ट्रीय सुरक्षा नेतृत्व

दो भागों की इस सीरीज़ में भारत की 88 घंटे चली कार्रवाई को अंजाम देने वाले शीर्ष अधिकारियों की ज़ुबानी पूरी कहानी दिखाई गई है

इस स्वतंत्रता दिवस पर डिस्कवरी चैनल 'डीक्लासिफाइड: ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से दर्शकों को भारत के शीर्ष सैन्य अधिकारियों, राष्ट्रीय सुरक्षा नेतृत्व, ऑपरेशनल कमांडरों और अग्रिम मोर्चे पर तैनात जवानों के अनुभवों से रूबरू करा रहा है। वास्तविक और ऐतिहासिक घटनाओं को गहराई से दिखाने की अपनी परंपरा को निभाते हुए डिस्कवरी की यह डॉक्यू-सीरीज़ अधिकारियों की ज़ुबानी यह सामने लाती है कि इस अहम ऑपरेशन के महत्वपूर्ण फैसले कैसे लिए गए और इसे कैसे अंजाम दिया ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अपने पहले इंटरव्यू में इस डॉक्यू-सीरीज़ में कहा कि –हमने यह फैसला कर लिया था कि इस ऑपरेशन का एकमात्र उद्देश्य दुश्मन के ठिकानों खासकर पहलगाम हमले के लिए ज़िम्मेदार आतंकी कैंपों को पूरी तरह तबाह करना है। उन्होंने यह भी कहा कि, दुनिया को हमारा संदेश बिल्कुल साफ है कि भारत की उदारता या उसके संयम को उसकी कमजोरी समझने की गलती कतई न की जाए। भारत जोखिम उठा सकता है और भारत इसके अंजाम की परवाह किए बिना करारा प्रहार कर सकता है। प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करने वाली महिला सैन्य अधिकारियों के बारे में बात करते हुए पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने कहा, "सशस्त्र बलों का प्रतिनिधित्व दो महिला अधिकारियों ने किया और इससे दो महत्वपूर्ण संदेश सामने आए। पहला, भारत की महिलाएं ऐसे कायरतापूर्ण हमलों से न डरेंगी और न पीछे हटेंगी। दूसरा, इस तरह की चुनौतियां भी भारत के सामाजिक और भावनात्मक ताने-बाने को प्रभावित नहीं कर सकतीं।" 'डीक्लासिफाइडः ऑपरेशन सिंदूर' के साथ वॉर्नर ब्रदर्स डिस्कवरी ने भारत में फैक्चुअल स्टोरी टेलिंग का एक नया अध्याय शुरू किया है।

'टॉक्सिक' को बिना कट्स CBFC ने दी हरी झंडी, एडवांस बुकिंग में बिके 1 लाख टिकट

KGF 2 की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद सुपरस्टार यश की पैन-इंडिया फिल्म 'टॉक्सिक' की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी। 26 अगस्त को रिलीज से 5 दिन पहले शुक्रवार 21 अगस्त से जहां ओपनिंग डे के लिए प्री-सेल्स बुकिंग शुरू हो गई है, वहीं कुछ ही घंटों में इसके 1 लाख से अधिक टिकट भी बिक गए हैं। करोड़ों की कमाई से शुरुआत हो चुकी है। दूसरी ओर, सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) ने इसे बिना किसी कट के 'A' सर्टिफिकेट के साथ रिलीज के लिए हरी झंडी दे दी है।

टॉक्सिक में CBFC ने दो शब्दों को किया म्यूट

डायरेक्टर गीतू मोहनदास की फिल्म में सेंसर बोर्ड ने सिर्फ दो छोटे बदलाव किए हैं। यह खबर जैसे ही सोशल मीडिया पर सामने आई, लोग हैरान हो गए। ऐसा इसलिए कि बीते दिनों जब फिल्म का टीजर और ट्रेलर आया था, तब फिल्म के कथित 'अश्लील' और हिंसा के सीन्स पर खूब शोर मचा था। इंटरनेट यूजर्स हैरान हैं और मजाक भी कर रहे हैं कि जो सेंसर बोर्ड बिना कुछ सोचे फिल्मों पर कैंची चलाने यानी कट लगाने के लिए जानी जाती है, उसने यह कैसे कर दिया। किसी कट के नहीं लगने के कारण फिल्म की रनटाइम में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। बताया जाता है कि 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' को पिछले हफ्ते ही CBFC से रिलीज की मंजूरी मिल गई है। सेंसर सर्टिफिकेट के मुताबिक, मूल रूप से कन्नड़ और अंग्रेजी में बनी इस फिल्म की लंबाई 3 घंटे 12 मिनट है। सेंसर बोर्ड ने सिर्फ कन्नड़ वर्जन में दो शब्दों और डायलॉग को म्यूट किया है। साथ ही अंग्रेजी सबटाइटल में भी उसी हिसाब से बदलाव करने को कहा है।

टॉक्सिक' की एडवांस बुकिंग: कुछ ही घंटों में बिके 1,00,000 से ज्यादा टिकट: दूसरी ओर, सुबह से ही 'टॉक्सिक' की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है। बुकिंग शुरू होने के कुछ ही घंटों के भीतर प्रमुख टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म बुक माई शो पर 1,00,000 से ज्यादा टिकट बिक गए हैं। जबकि दूसरे टिकट बुकिंग साइट और ऐप्स की जानकारी अभी नहीं आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म को लेकर जबरदस्त क्रेज दिख रहा है और हर घंटे की बिक्री में बढ़ोतरी देखी गई। सुबह-सुबह जब एडवांस बुकिंग शुरू हुई थी, तब पहले एक घंटे में लगभग 3,050 टिकट बिके, जबकि 10 बजते ही इसमें जबरदस्त वृद्धि हुई और 10-11 बजे के बीच 27,000 टिकट बिके।

'सब केसर बेच रहे हैं; पत्रकार के सवाल पर अक्षय कुमार ने दिया मजेदार रिएक्शन

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार हाल ही में एक मीडिया इवेंट में ऐसे सवाल का सामना कर बैठे, जिसे सुनकर वह खुद भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। दरअसल, एक महिला पत्रकार ने उनसे 'केसर' को लेकर ऐसा सवाल पूछ लिया, जिसका कनेक्शन इन दिनों चल रहे विमल इलायची विवाद से था। यह पूरा मामला उस समय हुआ जब अक्षय कुमार को एसर के नए ब्रांड एंबेसडर के तौर पर इवेंट में पेश किया गया। इस दौरान एक महिला पत्रकार ने मजाकिया अंदाज में उनसे पूछा, 'सब केसर बेच रहे हैं, आप एसर बेच रहे हैं?'

शाहरुख, अजय और टाइगर को मिला नोटिस

पत्रकार का सवाल सुनकर अक्षय कुमार पहले तो चौंके और फिर जोर से हंसने लगे। उन्होंने इस सवाल का कोई सीधा जवाब नहीं दिया, लेकिन उनका रिएक्शन अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अक्षय कुमार खुद भी पहले विमल के विज्ञापन अभियान का हिस्सा रह चुके हैं। हालांकि, विज्ञापन को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग होने के बाद उन्होंने ब्रांड से दूरी बना ली थी। अब एक बार फिर विमल के विज्ञापन को लेकर चर्चा तेज है और इसी बीच अक्षय का यह मजेदार पल लोगों का ध्यान खींच रहा है। दरअसल, कुछ दिनों पहले शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को विमल इलायची के विज्ञापन में नजर आने को लेकर महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (FDA) की तरफ से नोटिस भेजे जाने की खबर सामने आई थी। महाराष्ट्र FDA कमिश्नर तुकाराम मुंडे ने PTI को बताया कि भ्रामक विज्ञापन के लिए सिर्फ कंपनियों को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स रेगुलेशन के तहत विज्ञापनों और झूठे या भ्रामक दावों पर भी कार्रवाई का प्रावधान है।

कौन हैं गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स? 16 की उम्र में शुरू की थी मॉडलिंग; कुछ ऐसे हुई..

अर्जुन रामपाल और गैब्रिएला 2018 से एक-दूसरे के साथ हैं। दोनों ने हाल ही में गोवा में कोर्ट मैरिज कर अपने रिश्ते को कानूनी रूप दे दिया है। दोनों ने गोवा के बारदेज सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में शादी रजिस्टर कराई। शादी के बाद एक बार फिर गैब्रिएला के काम, उनकी सोशल मीडिया मौजूदगी और उनकी फैमिली लाइफ को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ गई है। अर्जुन रामपाल और गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स की पहली मुलाकात काफी समय पहले एक कॉमन फ्रेंड (रजत पटेल) की पार्टी में हुई थी, जब गैब्रिएला बहुत कम उम्र की थीं। हालांकि, तब दोनों के बीच कोई खास बातचीत या जुड़ाव नहीं हुआ था। इसके काफी समय बाद, जब दोनों अपने पिछले रिश्तों से बाहर आए, तो वे दोबारा मिले और एक-दूसरे के करीब आए।

16 साल की उम्र में शुरू की मॉडलिंग

गैब्रिएला ने महज 16 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी। इसके बाद उन्होंने गौतेंग के सनीसाइड में फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई की। धीरे-धीरे उन्होंने मॉडलिंग से आगे बढ़कर फैशन और बिजनेस की दुनिया में भी कदम रखा। इंडस्ट्री के शुरुआती दिनों में गैब्रिएला ने कई एडिटोरियल शूट्स और इंटरनेशनल असाइनमेंट्स किए। भारत आने के बाद उन्होंने फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज में भी काम किया। वह कई बड़े फैशन रनवे पर नजर आ चुकी हैं और कई बड़े ब्रांड्स के कैंपेन का हिस्सा भी रही हैं। मॉडलिंग के साथ गैब्रिएला ने एक्टिंग में भी हाथ आजमाया। उन्होंने 'इश्क झमेला', 'सोनाली केबल' और तेलुगु-तमिल फिल्म 'ऊपिरी' जैसी फिल्मों में काम किया है।

दीया मिर्जा ने 20 सालों से फिल्म के सेट पर नहीं देखा आईना, वजह कर देगी हैरान

दीया मिर्जा इंडस्ट्री की टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं। कई सालों से दीया फिल्मों में काम कर रही हैं। अब दीया ने एक सीक्रेट बताया है सबको जिसे जानकर आप भी हैरान हो जाएंगे। दीया का कहना है कि पिछले 20 साल से उन्होंने कभी शूट के दौरान सेट पर आईना में अपना लुक चेक नहीं किया है। उन्होंने इसकी वजह भी बताई है। दीया मिर्जा ने बताया कि वह जानबूझकर नजरअंदाज करती हैं शूट के दौरान अपना लुक देखना। वह बोलीं, 'लगभग 20 साल से जब मैं फिल्म शूटिंग पर होती हूं तो मैंने कभी आईना नहीं देखा। ना मैंने आईना देखा है और ना कभी मॉनिटर। मैंने कभी जाकर शॉट चेक नहीं किया। ऐसा करके अच्छा फील होता है।' हर एक्टर अपना शॉट देने के बाद खुद को मॉनिटर में चेक करता है, ये देखने के लिए वे कैमरे में कैसे लग रहे हैं। उनके एक्सप्रेशन्स ठीक हैं कि नहीं। लेकिन दीया ने इससे दूरी बनाई हुई है। दीया ने बताया कि उन्हें अपने करियर की शुरुआत में ही यह समझ आ गया था कि अपने लुक्स पर बहुत ज्यादा ध्यान देना उनके लिए ठीक नहीं है। वह अपने लुक्स को छोड़ अपनी परफॉर्मेंस पर फोकस करना चाहती हैं। दीया बोलीं कि मैंने हमेशा मोमेंट की गहराई पर फोकस किया ना कि अपने लुक्स पर। उनका कहना है कि अपीयरेंस काफी जरूरी होती है फिल्ममेकिंग के लिए। बाल, मेकअप और कॉस्ट्यूम काफी ध्यान से प्लान किए जाते हैं और वह एक किरदार के विजुअल आइडेन्टिटि को खराब नहीं करना चाहती हैं।

'तुम्बाड 2' के सेट पर नजर आईं आलिया भट्ट, नवाजुद्दीन और सोहम के साथ शूट करेंगी अहम सीन

बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा आलिया भट्ट को 'तुम्बाड 2' के सेट पर देखा गया है। आलिया भट्ट इस जुलाई में ही इस लोक-कथा पर आधारित हॉरर फ्रेंचाइजी से आधिकारिक तौर पर जुड़ी हैं। आलिया के सेट पर नजर आने से इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। सोशल मीडिया पर आलिया भट्ट की जो तस्वीरें वायरल हो रही हैं, उसमें देखा जा सकता है कि अभिनेत्री ओवरसाइज्ड धारीदार शर्ट के साथ कैजुअल लुक में हैं। अभिनेत्री ने टीम के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। वायरल पोस्ट के मुताबिक आलिया चल रहे शेड्यूल के लिए सेट पर पहुंची थीं, जिसमें कथित तौर पर एक नदी और एक पुराने किले के आस-पास फिल्माए जाने वाले दृश्य शामिल थे। फिल्म के मेकर्स ने इसके लिए 3 दिसंबर, 2027 की थिएटर रिलीज डेट का ऐलान किया है।

आठवें दिन 'आवारापन 2' ने बॉक्स ऑफिस पर दिखाया दम

जानें 'इनसिडियस' समेत बाकी फिल्मों का हाल

इन दिनों सिनेमाघरों में कई फिल्मों का जलवा है। इसमें पृथ्वीराज सुकुमारन की नई रिलीज हुई फिल्म 'खलीफा' और हॉलीवुड फिल्म 'इनसिडियस-आउट ऑफ द फर्दर' शामिल हैं। पहले से बॉक्स ऑफिस पर इमरान हाशमी की 'आवारापन 2' और सनी देओल की 'बंटवारा 1947' चल रही हैं। जानिए इन फिल्मों ने शुक्रवार को कितना कलेक्शन किया है।

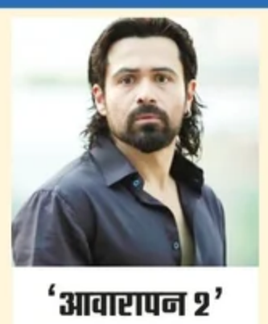

'आवारापन 2'

फिल्म 'आवारापन 2' ने पहले हफ्ते में 113.50 करोड़ रुपये कमाए। शुक्रवार यानी 8वें दिन 5.50 करोड़ रुपये कमाए हैं। 7वें दिन इस फिल्म ने 6 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। इमरान हाशमी की फिल्म का कुल कलेक्शन 119 करोड़ रुपये हो चुका है।

'इनसिडियस-आउट ऑफ द फर्दर'

आंकड़ों के मुताबिक ओपनिंग डे पर इस फिल्म ने 2.85 करोड़ रुपये कमाए हैं। इंग्लिश भाषा में फिल्म ने 1.90 करोड़ रुपये कमाए हैं, हिंदी पट्टी में 75 लाख रुपये जुटाए हैं। वहीं तमिल भाषा में 13 लाख रुपये और तेलुगु से सिर्फ सात लाख रुपये का कलेक्शन किया है।

'बंटवारा 1947'

पहले हफ्ते में सनी देओल की फिल्म 'बंटवारा 1947' ने 33.60 करोड़ रुपये कमाए थे। 8वें दिन यानी शुक्रवार को इसने 34.35 लाख रुपये कमाए हैं। 7वें दिन इसने 1.35 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। इस फिल्म का कुल कलेक्शन 34.35 करोड़ रुपये हो चुका है।

'खलीफा'

पृथ्वीराज सुकुमारन की एक्शन थ्रिलर फिल्म 'खलीफा' 20 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। ओपनिंग डे पर फिल्म ने अच्छी शुरुआत की। पहले दिन 'खलीफा' ने 5.35 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म का कुल कलेक्शन 7.65 करोड़ रुपये हो चुका है।

'स्पाइडर-मैन ब्रांड न्यू डे' की कमाई

हॉलीवुड फिल्म 'स्पाइडर मैन 4' की कमाई भी अब घटने लगी है। इस फिल्म का कलेक्शन 450 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है। 23वें दिन यानी शुक्रवार को 'स्पाइडर मैन 4' ने 1.85 करोड़ रुपये की कमाई की। फिल्म का टोटल कलेक्शन 477.25 करोड़ रुपये हो चुका है।

28 अगस्त को ज़ी5 पर रिलीज होगी समीक्षकों की सराहना पा चुकी बंदर

अनुराग कश्यप के निर्देशन में बिल्कुल नए अंदाज में नजर आएंगे बॉबी देओल

हिंदी जी5 पर अलग-अलग नजरिए से दमदार कहानियां देखने को मिलती हैं। मिसेज में शादी के अंदर अपनी पहचान के लिए एक महिला की लड़ाई को दिखाया गया, वहीं अस्सी में बलात्कार, पीड़िता को दोष देने की सोच और न्याय पाने की राह में महिलाओं के सामने आने वाली मुश्किलों को सामने रखा गया। इस तरह, प्लेटफॉर्म ने हमेशा ऐसी कहानियों को जगह दी है, जो परंपराओं के हिसाब से चलने के बजाय उनसे सवाल करती हैं। अब बंदर के साथ हिंदी जी5 हमारे समय की एक बेहद असहज और विवादित चर्चा को सामने ला रहा है। हमने सालों से ऐसी कहानियां सुनी हैं, जिनमें महिलाएं हिम्मत जुटाकर अपनी बात सामने रखती हैं। बंदर एक चौंकाने वाला सवाल पूछता है: क्या पुरुष भी पीड़ित हो सकते हैं? #MeTooForMen की चर्चा से जुड़ी बंदर एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है, जिसकी जिंदगी एक महिला के लगाए आरोप के बाद पूरी तरह बदल जाती है। सच्चाई सामने आने से पहले ही लोगों की राय, मीडिया की जांच-पड़ताल और समाज का फैसला उस पर हावी हो जाता है। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी और बॉबी देओल के दमदार अभिनय से सजी बंदर इस बात को दिखाती है कि किसी व्यक्ति को दोषी मान लेने के कितने गंभीर और दुखद परिणाम हो सकते हैं। फिल्म यह सवाल उठाती है कि जब किसी पर लगाया गया आरोप ही उसकी सजा बन जाए, तो क्या होता है। बंदर के जरिए हिंदी जी5 ऐसी कहानियां पेश करने की अपनी कोशिश जारी रखता है, जो आम धारणाओं पर सवाल उठाती हैं, समाज की जटिल सच्चाइयों को सामने लाती हैं और उन नजरियों को भी आवाज देती हैं, जिन्हें अक्सर चर्चा में जगह नहीं मिलती। यह इस विश्वास को और मजबूत करता है कि दमदार कहानियां यहीं देखने को मिलती हैं। यह फिल्म एक क्राइम ड्रामा / साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जो 28 अगस्त 2026 को प्रीमियर होगी। इसका निर्माण सैफ्रन मैजिकवर्क्स और जी स्टूडियोज ने किया है। फिल्म में बॉबी देओल, सान्या मल्होत्रा, सपना पब्बी, सवा आज़ाद, इंद्रजीत सुकुमारन, राज बी. शेट्टी, जितेंद्र जोशी और अन्य कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं। बंदर की कहानी समर मेहरा की है, जो कभी एक लोकप्रिय टीवी कलाकार हुआ करता था, उसकी जिंदगी तब पूरी तरह बदल जाती है, जब उसकी पूर्व साथी उस पर बलात्कार का आरोप लगाती है। आरोप लगते ही मीडिया में हलचल मच जाती है।

संत समागम से मिलती है संसार से मुक्ति: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

समाचार जगत ब्यूरो

सीकर. राजकीय अतिथि वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी दंग की नसिया में संघ सहित विराजित हैं। प्रतिदिन अनेक नगरों से समाजजन और राजनीतिक पदाधिकारी भी आचार्य श्री का आशीर्वाद लेने सीकर आ रहे हैं ।

इसी क्रम में बी जे पी के राष्ट्रीय महामंत्री व राज्य सभा सांसद, पूर्व बी जे पी प्रदेशा अध्यक्ष (राजस्थान) सतीश पूनिया,विधायक सुभाष मील, हरिराम रणवा ,प्रिंस एजुकेशन हब के चैयरमेन जोगेन्दर सुंडा पूर्व विधायक रतन लाल जल धारी ,विक्रम सिंह वाहिदपुरा , समाज सेवी नरेश जी सिंधी ने आचार्य श्री वर्धमान सागर जी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्य श्री ने आशीर्वाद स्वरूप स्वाध्याय हेतु जैन ग्रन्थ दिये। आचार्य श्री ने प्रवचन में बताया कि संसारी प्राणी संसार रूपी महावन में भटक रहा है इस विकेट महावंश से बाहर निकलने का और छोर दिखाई नहीं देता है।

संत समागम रूपी शरण लेने से संसार रुपी वन ,समुद्र से आप बाहर निकल सकते हैं।संसारी प्राणी चार गतियां की 84 लाख योनियों में भटक रहा है। जिसमें नर्क और तिर्यंच गति अशुभ गति मनुष्य गति शुभ और अशुभ तथा देव गति शुभ होती है।

शुभ गति पाने के लिए धार्मिक पुरुषार्थ करना होता है। आप दुखमय संसार में विषय भोग पांच इंद्रीय के सुखों और चार कषायों सहित मोह , राग ,द्वेष में डूबे हैं। यह धर्म देशना राजकीय अतिथि ,पंचम पट्टाधीश ,वात्सल्य वारिधि 108 आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने पारस भवन दंग की नसिया के आचार्य श्री धर्मसागर सभागृह सीकर में प्रकट किया। डा राजेश के अनुसार आचार्य श्री ने आगे बढ़ाया की प्रभु की भक्ति से पुण्य से अनिष्ट भी इष्ट हो जाता है सोमा सती की कहानी के माध्यम से बताया कि प्रभु भक्ति से सर्प सोने का हार बन गया।

सुभौम चक्रवर्ती ने प्राणों की रक्षा के लिए णमोकार मंत्र का अपमान किया इस कारण मृत्यु को प्राप्त होकर नरक में गया। पंच परमेष्ठी संसार रुपी वन संसार रूपी सागर से भक्ति करने पर ज्वार के दाने गज मोती बन गए। वही असली मोती अहंकार घमंड से चढाने के कारण सामान्य द्रव्य हो गए। गुरु के सानिध्य में निर्मूल्य भी अमूल्य हो जाता है।धर्म सभा के शुभारंभ में दीप प्रवज्जलन डा राजेश पंचोलिया एवं सनावद मध्यप्रदेश से आये अतिथियों ने किया।

RK GROUP
परमपूज्य आचार्यश्री के श्रीचरणों में बारम्बार नमोस्तु
अशोक पाटनी, सुरेश पाटनी, विमल पाटनी
आर.के. मार्बल ग्रुप. मदनगंज – किशनगढ़ (अजमेर)
WONDER CEMENT
FARQ NAZAR AAYEGA

परिसीमन पर बदला विजय थलपति का मूड!

कांग्रेस ने कर दी एक डिमांड

एजेन्सी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय थलपति का परिसीमन को लेकर क्या रुख बदला है? दरअसल इस तरह की अटकलें उनकी हालिया बैठक के बाद से लगाई जा रही हैं। हाल ही में मुख्यमंत्री विजय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मुलाकात की थी। इस दौरान विजय ने कहा था कि जनसंख्या कंट्रोल करने वाले राज्यों के लिए संसद में नुकसान नहीं होना चाहिए। इस पर विपक्ष ने उनको आड़े हाथों लिया था और मुद्दे से हटने का आरोप लगाया। हालांकि अब कांग्रेस लोकसभा सीटों के मौजूदा आवंटन को अगले 25 वर्षों तक बनाए रखने की मांग का समर्थन किया है। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने कहा कि लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या में कोई बदलाव नहीं होना चाहिए।

तमिलनाडु को मिलने वाली 39 सीटें भी बरकरार रखी जानी चाहिए। चिदंबरम ने कहा कि परिसीमन को लेकर तमिलनाडु विधानसभा और कांग्रेस कार्यसमिति की ओर से पारित प्रस्तावों में भी यही रुख सामने आया है। उन्होंने यह बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कही।

तमिलनाडु सरकार के रुख का कांग्रेस ने किया समर्थन

चिदंबरम ने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी टीवीके और मुख्य विपक्षी दल डीएमके भी इसी रुख का समर्थन कर रहे हैं। उनका यह बयान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय की ओर से परिसीमन को लेकर चिंता जताए जाने के एक दिन बाद आया। विजय ने प्रस्तावित परिसीमन विधेयक, 2026 को लेकर आशंका जताई थी कि यदि सीटों का पुनर्वितरण मुख्य रूप से आबादी के आधार पर किया गया तो दक्षिणी राज्यों का संसद में प्रतिनिधित्व कम हो सकता है।

1971 की जनगणना के आधार पर सीटों का फ्रीज खत्म होने की चिंता

गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक में विजय ने यह मुद्दा उठाया था। वह परिषद के उपाध्यक्ष भी हैं। विजय ने केंद्र से यह आश्वासन देने की मांग की कि जिन राज्यों ने अपनी आबादी को स्थिर करने में सफलता हासिल की है, उन्हें संसद में प्रतिनिधित्व कम होने के रूप में इसका नुकसान नहीं उठाना पड़े। उन्होंने कहा कि 1971 की जनगणना के आधार पर लोकसभा सीटों के आवंटन पर लगी रोक की अवधि समाप्त होने के करीब है।

विधानसभा पहले ही पारित कर चुकी है प्रस्ताव

तमिलनाडु विधानसभा पहले ही एक विशेष प्रस्ताव पारित कर केंद्र से लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या को स्थायी रूप से बनाए रखने की मांग कर चुकी है। राज्य सरकार की ओर से लाए गए इस प्रस्ताव में यह भी कहा गया था कि महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण को 2029 के लोकसभा चुनाव में मौजूदा 543 सीटों के आधार पर बिना देरी लागू किया जाए।

नागेंद्र के इस्तीफे पर भाजपा-जेडीएस करेंगी आगे की रणनीति तय

एजेन्सी

बेंगलुरु। हाल ही में विपक्ष के विरोध-प्रदर्शन के कारण कर्नाटक का विधानसभा का सत्र सात दिनों तक बाधित रहा। अब मंत्री बी. नागेंद्र के इस्तीफे की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल एस (जेडीएस) अपनी आगे की रणनीति तय करने के लिए बैठक करने जा रहे हैं। विपक्षी दलों ने वाल्मीकि कॉर्पोरेशन में कथित अनियमितताओं को लेकर नागेंद्र के इस्तीफे की मांग करते हुए सोमवार से शुक्रवार तक दोनों सदनों के अंदर और बाहर संयुक्त रूप से विरोध-प्रदर्शन किया था। उनका कहना है कि जब तक मंत्री पद नहीं छोड़ते, वे सदन की कार्यवाही नहीं चलने देंगे। हालांकि, सरकार ने अब तक नागेंद्र का इस्तीफा लेने का कोई संकेत नहीं दिया है। सोमवार को विधानसभा की कार्यवाही फिर से शुरू होने वाली है, ऐसे में भाजपा और जेडीएस के नेताओं के साथ केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी की शनिवार या रविवार को बैठक होने की उम्मीद है, जिसमें वे अपने आंदोलन के अगले चरण की रूपरेखा तैयार करेंगे। राजग नेताओं के इस बात पर विचार करने की संभावना है कि अगर नागेंद्र इस्तीफा नहीं देते हैं तो क्या वे विधानसभा में विरोध जारी रखें या अपना ध्यान एनआईसीई रोड टोल और किसानों की चिंताओं जैसे अन्य मुद्दों पर केंद्रित करें। दोनों पार्टियों ने पहले भी संयुक्त प्रदर्शन किया था, जिसमें उनके विधायकों ने काली शर्ट पहनकर विधान सौधा तक मार्च किया था।

कांवड़ियों के सामने कोतवाल का ऐलान, डीजे पर हुआ था बवाल

मैं रिजाइन करता हूं, ईश्वर करेगा न्याय

एजेन्सी

कन्नौज। यूपी के कन्नौज में कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे को लेकर ऐसा बवाल हुआ कि मामला पुलिस और कांवड़ियों की भिड़ंत तक पहुंच गया। डीजे शहर के अंदर ले जाने से रोकना पुलिस को भारी पड़ गया। पहले कहासुनी हुई, फिर धक्का-मुक्की और उसके बाद कांवड़िए सड़क पर बैठकर धरना देने लगे। माहौल इतना गरमा गया कि प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर कांवड़ियों से माफी मांगनी पड़ी। यहां तक कि कोतवाल ने भी कांवड़ियों के सामने भरे मैदान में अपने इस्तीफे का ऐलान कर दिया। आखिरकार डीजे को आगे ले जाने की अनुमति मिली और तब जाकर मामला शांत हुआ। ये कहानी हरदोई के बिलग्राम और आसपास के इलाकों से शुरू होती है। लोगों का कहना है कि पिछले करीब 30 साल से यहां से बड़ी संख्या में कांवड़िए कन्नौज के सिद्धपीठ गौरीशंकर मंदिर में गंगाजल चढ़ाने आते हैं। इस बार भी हजारों कांवड़िए यात्रा पर निकले थे। कन्नौज में इनके लिए बोर्डिंग ग्राउंड में खाने-पीने से लेकर ठहरने और सेवा-सत्कार तक की व्यवस्था की गई थी। जत्था डीजे के साथ आगे बढ़ रहा था, कांवड़िए बेहद उत्साहित थे. लेकिन फिर पुलिस ने डीजे को लेकर रोक लगा दी। कांवड़ियों का विरोध बढ़ता देखकर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। इसी दौरान एडीएम देवेंद्र सिंह ने कांवड़िया प्रतिनिधि के सामने हाथ जोड़कर माफी मांगी। कांवड़ियों के साथ कथित अभद्र व्यवहार को लेकर कोतवाल जितेंद्र पर भी सवाल उठ रहे थे। मामला ज्यादा गर्म होता देख कोतवाल ने कांवड़ियों से भरे मैदान में अपने इस्तीफे की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि वह नौकरी छोड़ देंगे। कोतवाल ने कहा कि अनाउंसमेंट कर रहा हूं, शपथ के साथ अनाउंसमेंट कर रहा हूं। कोतवाल जितेंद्र ने आगे कहा कि अगर मैंने कोई गलती की है तो मेरा सिर... मैं आपको कह रहा हूं कि अगर किसी को ये शक है कि मैं सनातनी नहीं हूं तो जो व्यक्ति मुझसे बड़ा सनातनी हो, मैं यहीं सिद्ध करता हूं कि कौन ज्यादा बड़ा सनातनी. उन्होंने कहा कि अगर मैंने कोई गलती की है, तो ईश्वर न्याय करेगा।

ओम प्रकाश राजभर का अखिलेश यादव पर बड़ा हमला

2027 की चिंता छोड़िए, पहले सपा बचाइए...

एजेन्सी

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने एक बार फिर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला बोला है। राजभर ने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा कि अखिलेश सत्ताईस में सत्ता की सोचने से पहले सत्ताईस से पहले सपा कैसे बचाई जाये, ये सोचना शुरू कर दीजिए, क्योंकि आपके लोग खुद आपके पीडीए की पोल खोल रहे हैं। पता है न! आपके पीडीए का पी आपके साथ है नहीं, ना पंडित और ना पिछड़ा, आपके झूठ से जो थोड़ा सा 'डी' आपके साथ आया था, वो भी अब आपके खिलाफ खुल के खड़ा होने लगा है, बचेगा सिर्फ अशफ़ाक़ वाला ए'. सहारनपुर सर्किट हाउस में आपके वाले पीडीए की असली वाली पोल बहुत धूम-धड़ाके के साथ खुल के सामने आ गई है? यक़ीन ना हो तो अपने प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल से पूछ लीजिएगा, वो वहीं सर्किट हाउस में बैठकर बस मुंह ताकने का काम कर रहे थे।

दलित समाज की जिला पंचायत सदस्य बहन ममता चौधरी ने भरी मीटिंग में आपके नेताओं को बहुत कायदे से सुनाया है। उनके साथ दलित समाज और गैर यादव पिछड़ा समाज के सपा कार्यकर्ताओं ने भी मिलकर आपके 'पीडीए यानी पीट देगा अहीर, पीट देगा अल्पसंख्यक' की कायदे से पोल खोली है। दलित और गैर यादव पिछड़ा समाज के आपके लोग ही अब सामने आकर चीख-चीख के आपके 'पीट देगा अहिर' और 'पीट देगा अशफाक' गैंग का कच्चा चिट्ठा खोल रहे हैं और आप हैं कि सोशल मीडिया पर टाइम पास करने से ही फुरसत नहीं हैं।

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से पहले पुणे में एनएसयूआई-एबीवीपी में झड़प

एजेन्सी

पुणे। सीओईपी टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के हॉस्टल कैंपस में शुक्रवार रात एनएसयूआई और एबीवीपी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। विवाद शनिवार को राहुल गांधी के प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से पहले हुआ। घटना के बाद हॉस्टल परिसर में पुलिस तैनात कर दी गई। एबीवीपी का आरोप है कि कांग्रेस कार्यकर्ता छात्राओं पर राहुल गांधी के कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराने का दबाव बना रहे थे। वहीं, एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम के समर्थन में बोलने वाली दो छात्राओं को एबीवीपी सदस्यों ने हॉस्टल में रोककर धमकाया। पुलिस ने एबीवीपी के एक छात्र के साथ मारपीट के मामले में 6 नामजद लोगों सहित करीब 50 से 60 एनएसयूआई और यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

राहुल गांधी आज पुणे में विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। इससे पहले वे कोटा, देहरादून और प्रयागराज में भी 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के जरिए पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में सुधार जैसे मुद्दे उठा चुके हैं।

नेतन्याहू सरकार से बड़ी अपील

इजरायल में भारतीय कामगारों को सता रहा डर, राजीव की बर्बर हत्या से बढ़ी चिंता

एजेंसी

तेल अवीव। इजरायल में भारतीय केयरगिवर (घरों में देखभाल करने वाले) राजीव आचार्य की हत्या ने भारत के दूसरे कामगारों के बीच चिंता पैदा की है। भारतीय कामगारों ने राजीव की हत्या के बाद न्याय और जवाबदेही की मांग करते हुए अपील की है। आचार्य की हत्या एक इजरायली नागरिक ने चाकू मारकर कर दी थी। तेल अवीव में भारतीय दूतावास ने पीड़ित परिवार को भेजे संदेश में बताया है कि यरूशलेम में एक बुजुर्ग जोड़े की देखभाल करने वाले भारतीय नागरिक राजीव आचार्य की 23 जुलाई को उस जोड़े के घर पर हुए हिंसक हमले में मौत हो गई थी। इजरायली अधिकारियों ने एविओर जाकेन पर आरोप तय किए हैं। जाकेन उस बुजुर्ग जोड़े का पोता है, जिन्होंने आचार्य को काम पर रखा था। एक न्यूज चैनल के मुताबिक, कामगारों ने इजरायली सरकार से मांग की है कि वह इस मामले में पूरी कानूनी कार्रवाई करे। आचार्य के परिवार को मुआवजा दे और हिंसा से भारतीय विदेशी कामगारों की सुरक्षा करे।

भारतीय समुदाय की सुरक्षा पर ध्यान: जाकेन पर इजरायली दंड संहिता के तहत सोच-समझकर हत्या करने का आरोप है। इस हफ्ते राजीव आचार्य की हत्या के करीब एक महीने बाद तेल अवीव में भारतीय दूतावास ने एक्स पर कहा कि वह इजरायली अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है। अधिकारियों ने बताया है कि एक संदिग्ध की गिरफ्तारी के बाद पूरी सच्चाई और परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। भारतीय समुदाय की अपील में इजरायल में घरेलू कामगारों की असुरक्षित स्थिति पर खास तौर पर ध्यान दिलाया गया है क्योंकि वे उन्हीं घरों में रहते हैं, जहां उन्हें काम पर रखा जाता है। मई 2023 में भारत सरकार ने 42,000 से ज्यादा भारतीय कामगारों को इजरायल भेजने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इनमें से 34,000 निर्माण कार्य में और 8,000 बुजुर्गों की देखभाल के काम में गए। इजरायली सरकार ने नवंबर 2023 में फिलिस्तीनियों के वर्क परमिट बड़े पैमाने पर रद्द कर दिए, जिससे मजदूरों की भारी कमी हो गई। इसके जवाब में इजरायली बिल्डर्स एसोसिएशन ने इजराइली सरकार से भारत से 50,000 से 90,000 मजदूर बुलाने का आग्रह किया।

श्रद्धांजलि

स्वर्गीय राधेश्याम जी बाणवाला एवं कमला देवी की पुत्रवधू
श्रीमती चाँद देवी जैन
(धर्मपत्नी श्री बालकिशन जी जैन बाणवाला)
श्रद्धावनत
नाथूलाल, महावीर, बालकिशन, सतीश (देवर), प्रकाश-सुनीता, प्रदीप-शिल्पा, प्रमोद-रुचिका (पुत्र-पुत्रवधू), अर्चित-मृदुल, शशांक-विदुषी, प्रियांक तान्या (पौत्र-पौत्रवधू), समर्थ, भव्या (पौत्र-पौत्री), तीर्था-कैरवी (पड़पौत्री), मुकेश, मनीष (भतीजा), पुष्पा-रतन जी सिंगरेटवाले (नन्द-नन्दोई), प्रतिभा-घनश्याम सर्राफ (बेटी-जवाई), मीनू-राजेश बगड़िया (भतीजी जवाई), हर्षिता-संजय सिंघल (पौत्री-दामाद), स्नेह-रचित अग्रवाल (दोहिती-दामाद), नेहल-वैभव जैन (दोहिती-दामाद), दिनेश, अनिल, अनिल, सुनील (भानजे), गौरांग, मेहुल, शुभांग, सम्यक, लव्यांश (दोहिते), एवं समस्त बाणवाला परिवार
फर्म
Radheshyam Balkishan wv®, Kishanpole Bazar, Siddhi Vinayak Art Gallery, Jaipur
Quality Dia Jewels Inc., New York (USA), Ruchika Creation, Jaipur
Mobile No.:9314501665, 9829055899

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक त्रिशला गोधा द्वारा समाचार जगत, 11 जवाहर लाल नेहरू मार्ग, विद्याश्रम स्कूल के सामने, संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : शैलेन्द्र गोधा* । फोन : 3509888 (संपादकीय) : फैक्स : 0141-2708088 e-mail: samacharjagat@gmail.com, sjnews@samacharjagat.com
* पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी